M/s. SHANTA SERVICE STATION
Bharat Petroleum
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

दैनिक धनुष धारी

संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-32, अंक 132, उल्हासनगर, गुरूवार 1 मई 2025 (पृष्ठ 6)
Mob. No. 9325937797
E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com
Post Regd No.THC/111/2024-2026
RNI No. 68359/93,
dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

UNMATCHED EXCELLENCE & DEDICATION SINCE 26 YEARS
AMBERNATH I UNR-3 I UNR-5 I KALYAN (E) I KALYAN (W) I KHADAKPADA

सड़क दुर्घटनाओं में 3 लोगों की मौत

नवी मुंबई (नि.स)। नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय की सीमा में आने वाले तलोजा और उरण क्षेत्रों में बीते 24 घंटों के दौरान हुई तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला भी शामिल है। सभी मामलों में हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गए हैं, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। पहली दुर्घटना सोमवार देर रात मुंब्रा-तलोजा मार्ग पर नावडे गांव के पास हुई। इस घटना में एक कार ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे सुल्तान अब्दुल रउस हसवारे (21) की मौके पर ही मौत हो गई। पनवेल निवासी सुल्तान रात करीब 12:15 बजे बाइक से तलोजा से पनवेल की ओर जा रहे थे, तभी एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दूसरी दुर्घटना मंगलवार सुबह तलोजा एमआईडीसी क्षेत्र में हुई। डोंबिवली के पलावा सिटी निवासी शशि नायर (66) अपने दोपहिया वाहन से आईजीपीएल कंपनी से बेल नाका की ओर जा रहे थे, तभी एक डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज शुरू होने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई। डंपर चालक भी दुर्घटना के बाद फरार हो गया। तीसरी दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब 10:15 बजे उरण के जासई स्थित दास्तान फाटा इलाके में हुई। अंकिता जगन्नाथ मालेकर (30) नामक महिला अपनी दोपहिया से द्रोणागिरी से कोपरखैरणे की ओर जा रही थीं।

प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे भारत के पहले वेव्स समिट का उद्घाटन

जिओ वर्ल्ड सेंटर में होगा ऐतिहासिक आयोजन

क्रिएट इन इंडिया के संकल्प के साथ भारत बनेगा ग्लोबल मीडिया हब

मुंबई (कृष्णा लालवानी)। भारत के मीडिया, मनोरंजन और डिजिटल नवप्रवर्तन को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 1 मई को मुंबई स्थित जिओ वर्ल्ड सेंटर में देश की पहली ₹वेव्स 2025 समिट₹ का उद्घाटन करेंगे। यह चार दिवसीय वैश्विक सम्मेलन 'कनेक्टिंग क्रिएटर्स, कनेक्टिंग कंट्रिज़' थीम पर आधारित होगा, जिसमें 90 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, 1,000 कलाकार, 300 से अधिक कंपनियां, 350 स्टार्टअप्स और 10,000 से ज्यादा प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी। इस मेगा इवेंट की मेज़बानी महाराष्ट्र सरकार द्वारा की जा रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, उद्योग मंत्री उदय सामंत और सूचना-प्रौद्योगिकी व संस्कृति मंत्री एडवोकेट आशिष शेलार की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

वैश्विक बाज़ार के लिए वेव्स बाजार

इस आयोजन के अंतर्गत आयोजित "वेव्स बाजार" में 6,100 खरीदार, 5,200 विक्रेता और 2,100 प्रोजेक्ट्स भाग लेंगे, जिससे स्थानीय और वैश्विक व्यवसाय के लिए अपार अवसर खुलेंगे। इस सम्मेलन में 42 मुख्य सत्र, 39 विशेष सत्र, और 32 मास्टरक्लास आयोजित किए जाएंगे, जिनमें ब्रॉडकास्टिंग, इन्फोटेन्मेंट, डिजिटल मीडिया और उद्योग 4.0 तकनीक के भविष्य पर चर्चा की जाएगी।

भारत बनेगा वैश्विक मीडिया और एवीजीसी हब

प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि के अनुरूप यह सम्मेलन भारत की ओटीटी, फिल्म, गेमिंग, कॉमिक्स, एआई, डिजिटल मीडिया और एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्रों को वैश्विक मंच प्रदान करेगा। इसमें भारत पवेलियन, महाराष्ट्र पवेलियन और विशेष रूप से तैयार क्रिप्टोस्पियर का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा, जहाँ वह देशभर से चुने गए क्रिएट इन इंडिया प्रतिभागियों से संवाद करेंगे।

ग्लोबल मीडिया डायलॉग में 25 देशों के मंत्री होंगे शामिल

वेव्स 2025 में पहली बार आयोजित होने जा रहे ग्लोबल मीडिया डायलॉग (जीएमडी) में 25 देशों के सूचना व मीडिया मंत्री भाग लेंगे, जो भारत के लिए एक ऐतिहासिक कूटनीतिक अवसर सिद्ध होगा।

2029 तक 50 अरब डॉलर के बाजार का लक्ष्य

माना जा रहा है कि इस सम्मेलन के माध्यम से भारत के मीडिया व मनोरंजन क्षेत्र के लिए 2029 तक 50 बिलियन डॉलर के वैश्विक बाज़ार के द्वार खुल सकते हैं। वेव्स 2025 सम्मेलन न केवल भारत की रचनात्मक क्षमताओं को दुनिया के सामने लाएगा, बल्कि यह देश को डिजिटल, सांस्कृतिक और आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक सशक्त कदम भी सिद्ध होगा।

उल्हासनगर में दो महिलाओं समेत 4 बांग्लादेशी गिरफ्तार

उल्हासनगर(नि.स)। उल्हासनगर की विठ्ठलवाड़ी तथा मध्यवर्ती पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो महिलाएं और दो पुरुष है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 अप्रैल को विठ्ठलवाड़ी पुलिस को सूचना मिली कि कल्याण के चिंचपाड़ा तथा मानेरेगांव इलाके में अवैध रूप से बांग्लादेशी नागरिक रह रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस ने चिंचपाड़ा से रत्ना लुतफर खान (30) नाम की महिला तथा मानेरेगांव से मुक्ति अशोक बेहरा (३९) को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उन्होंने कोई वैध दस्तावेज या भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं दिखा पाए। वहीं मध्यवर्ती पुलिस ने उल्हासनगर के कैंप तीन, शांति नगर इलाके से सपना रुस्तम खान (36) तथा जीरा चौक गुरुद्वारा के पास से मुर्शीद जुनाबली मंडल (45) को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उन्होंने कोई वैध दस्तावेज या भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं दिखा पाए। बहरहाल आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है।

अंबरनाथ में 9 बांग्लादेशी गिरफ्तार

अंबरनाथ(नि.स)। अंबरनाथ पश्चिम के सर्वोदय नगर स्थित सृष्टिहिल सोसायटी से 9 बांग्लादेशी नागरिकों को उनके परिवारों के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये सभी नागरिक अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। यह कार्रवाई अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के क्राइम डिटेक्शन सेल और गोपनीय सेल की संयुक्त टीम ने की। बताया गया है कि 29 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली कि अंबरनाथ के सर्वोदय नगर इलाके में बिल्डिंग नंबर 1 और 4 में कुछ बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस टीम ने दो पांच और एक दुभाषिया की मौजूदगी में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान फ्लैट नंबर 302 में 5 पुरुष, 4 महिलाएं और 5 बच्चे मिले। पूछताछ के दौरान वे सभी कोई वैध दस्तावेज या भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं दिखा सके। मोबाइल फोन की जांच के दौरान कुछ लोगों के पास बांग्लादेशी पहचान पत्र मिले, जिस पर उनका असली पता- पेडवली गांव, कालिया पुलिस थाना, जिला नोडिले, बांग्लादेश लिखा था। पूछताछ में उन्होंने कबूल किया कि वे पिछले चार साल से अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। बहरहाल आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है। गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम हैं:

पुरुष: अलामिन यूसुफ शेख (40), आरिफुल अफसर शेख (31), अलीनूर दाऊद विश्वास (44), रब्बी अलामिन शेख (18) तथा मनीर ज़ब्दुल सरदार (35) **महिला:** शबोना रसेल खान (26), नरगिस अलामीन शेख (40), अफिया मीनार सदल (26) तथा हाफीजा शरीफुल मुल्ला (26) इन सभी के खिलाफ अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम, 1920 की धारा 3, 4 और विदेशी अधिनियम, 1946 की धारा 13, 14 (ए), 14 (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस निरीक्षक किशोर शिंदे (अपराध), पुलिस निरीक्षक प्रभारी राजेश गज्जल, सहायक पुलिस निरीक्षक विजय काजरी, पुलिस उपनिरीक्षक नागेश्वर मुंडे, सहायक उपनिरीक्षक जीतेंद्र चव्हाण, पुलिस हवलदार सचिन जाधव, पुलिस निरीक्षक राजकुमार राठौड़, वासुदेव दराडे, स्वप्निल पाटिल, गणेश गुट्टे, हरेश्वर चव्हाण की टीम ने इस विशेष अभियान को अंजाम दिया।

भिवंडी-ठाणे बाईपास पर फ्लाईओवर का गर्डर गिरा, बड़ा हादसा टला

भिवंडी(नि.स)। मुंबई-नासिक नेशनल हाइवे पर भिवंडी-ठाणे बाईपास पर आठ लेन की सड़क बनाने के लिए चौड़ीकरण का काम चल रहा है। यह काम करते

समय वड़पा में बन रहे फ्लाई ओवर पर लगाने के लिए एक बहुत बड़ा गर्डर ट्रक की ट्रॉली पर लाते समय सड़क के मोड़ पर ट्रक की पिछली ट्रॉली पलट गई। जिससे ट्रॉली पर रखा 160 फीट लंबा और भारी गर्डर सड़क पर गिर गया। इससे इस हाइवे पर यातायात ठप्प हो गया था। 160 फीट लंबा गर्डर ट्रक की ट्रॉली से गिरने के कारण क्षतिग्रस्त होकर मुड़ गया है। लेकिन सौभाग्य से गर्डर दुर्घटना में कोई जानहानि नहीं हुई है।

एसटी बस की चपेट में आने से नाबालिग लड़के की दर्दनाक मौत

कल्याण(नि.स)। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी) की बस की चपेट में आने से एक नाबालिग लड़के की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना बुधवार दोपहर कल्याण पश्चिम में बिड़ला कॉलेज के पास घटी जब बाइक सवार युवक एसटी बस के पिछले पहिए के नीचे आने से कुचला गया। इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक युवक अमनकुमार दुबे (17) बिड़ला कॉलेज का छात्र था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमन कुमार दुबे बुधवार दोपहर बाइक से कॉलेज से निकलकर घर जा रहा था। बिड़ला कॉलेज के सामने की सड़क मुंबई-मुरबाड़-अहिल्यानगर राजमार्ग की सबसे व्यस्त सड़क है। इस सड़क से गुजरते समय अमन एसटी बस के समानांतर दोपहिया वाहन चला रहा था। अचानक

अमन ने दोपहिया वाहन से संतुलन खो दिया और बस के पिछले पहिए के नीचे आ गया। प्रारंभिक जानकारी यह है कि वह संतुलन खो बैठा और गिर गया। इस बीच लोगों के चिल्लाने से बस चालक ने बस को मौके पर ही रोक दिया। लेकिन तब तक अमन दुबे बस के पिछले पहिए के नीचे आने से कुचला गया। उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया और वहां से रुक्मिणीबाई अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नाला मरम्मत न होने पर वरिष्ठ नागरिक व पूर्व सैनिक महाराष्ट्र दिवस से करेंगे आमरण अनशन

उल्हासनगर(नि.स)। उल्हासनगर के कैम्प 4 में रहने वाले 76 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक सुभाष दिनकर पाटिल जो पूर्व सैनिक हैं, उन्होंने उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासन को पत्र देकर बताया है कि अगर 8 दिनों में नाला मरम्मत का काम शुरू नहीं हुआ तो वे 1 मई महाराष्ट्र दिवस से आमरण अनशन पर बैठेंगे।

दरअसल सुभाष दिनकर पाटिल के घर के बगल में एक बड़ा नाला है जो 2007 में बनवाया गया था। वह नाला धीरे-धीरे अब पूरी तरह से गिरने की कगार पर आ गया है। पिछले 7 सालों से सुभाष पाटिल द्वारा महानगरपालिका व स्थानीय नगरसेवक को बार-बार पत्र व्यवहार करने पर भी वह नाला दुरुस्त

नहीं किया गया। परिणामस्वरूप दिनांक 23 जुलाई 2019 को मूसलाधार बारिश में उनके कारखाने की दीवार गिरने से 6 से 7 लाख रूपये का उन्हें नुकसान हुआ था। उसके बाद भी लगातार तीन साल बारिश में नाले के दूसरी तरफ के 2 घरों की दीवार और सामने की बिल्डिंग की दीवार गिरने से उनका भी लाखों रुपयों का नुकसान हुआ था। मनपा के सार्वजनिक बांधकाम विभाग और आयुक्त को बार-बार शिकायत की गई परंतु वह नाला अभी तक बनवाया नहीं गया है। सुभाष पाटिल ने मनपा आयुक्त को पत्र के माध्यम से बताया है कि आने वाले 8 दिनों में अगर नाले का काम शुरू नहीं हुआ तो मैं और मेरा बेटा मेरे परिवार की सुरक्षा के लिए सोमवार दिनांक 1 मई 2025 (महाराष्ट्र दिन) को सुबह 10 बजे से अपने घर पर आमरण अनशन पर बैठ रहे हैं। साथ ही इस दौरान नाला दुरुस्त न होने के कारण कोई भी दुर्घटना घटती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी महानगरपालिका की होगी।

10 अवैध दुकानों पर उल्हासनगर मनपा का चला बुलडोजर

उल्हासनगर(नि.स)। उल्हासनगर महानगरपालिका ने कैंप दो, खेमानी परिसर के आजाद नगर में अवैध रूप से बनाये गए 10 दुकानों पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया. बताया गया है कि आजाद नगर परिसर में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण बनाने का कार्य शुरू होने की शिकायत मनपा के प्रभाग दो से की गई थी. जिसके बाद प्रभाग दो के सहायक आयुक्त मनीष हिवरे ने अपनी टीम के साथ बुलडोजर की मदद से 10 अवैध दुकानों को जमींदोज कर दिया। इन 10 अवैध दुकानों में से पांच दुकानों में छोटे उद्योग शुरू थे, जबकि बाकी पांच दुकानों का निर्माण कार्य चल रहा था। मनपा द्वारा दो महीने पहले ही इन अवैध निर्माणों को खाली करने का आदेश दिया गया था, लेकिन आदेश की अवहेलना की गई थी, जिसके बाद मनपा द्वारा उन अवैध निर्माण के खिलाफ तोड़क कार्रवाई की गई।

ठगों ने व्यवसायी को लगाया 66 लाख रुपये का चूना, मामला दर्ज

नवी मुंबई(नि.स)। शेयर बाजार में ट्रेडिंग के ज़रिए बड़े मुनाफे का लालच देकर खारघर के एक व्यवसायी से लगभग 66 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। यह ठगी पिछले वर्ष मई से जुलाई के बीच की गई थी। पीड़ित व्यक्ति काम के सिलसिले में विदेश में होने के कारण उन्होंने पहले ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अब देश लौटने पर उन्होंने नवी मुंबई साइबर सेल में शिकायत दर्ज करवाई है। बताया गया है कि यह ठगी 50 वर्षीय प्रेसेंजित कुमार के साथ हुई है, जो शिपिंग व्यवसाय से जुड़े हैं।

Staff Required
(SINDHI MALE)
Qualification-B.COM PASSED FOR ACCOUNTS & FOR SALESMAN
Qualification- 10TH PASSED
CONTACT : **MR. RAJESH**
MOB.NO. **9307579475**

संपत्तिकर में है त्रुटि ? उल्हासनगर मनपा ने नागरिकों से मांगी अंतिम आपत्ति

उल्हासनगर(नि.स)। उल्हासनगर महानगरपालिका ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए संपत्ति कर लगाने की तैयारी शुरू कर दी है और घर के मालिकों को अपनी संपत्ति के रिकॉर्ड की जांच करने और आवश्यक आपत्तियां प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर दिया है। जिन संपत्ति मालिकों ने समय पर आपत्तियां दर्ज नहीं की हैं, उनसे सीधे तय कर के अनुसार कर लिया जाएगा। इसलिए, महानगरपालिका की प्रशासक/आयुक्त मनीषा आव्हाले ने नागरिकों से अपील की है कि वे इसे गंभीरता से लें और अपना पंजीकरण और सत्यापन तुरंत पूरा करें। उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में इमारतों और भूमि पर सामान्य कर के साथ-साथ अन्य करों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कर लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए मनपा ने वर्ष 2024-25 के लिए कर लगाने वाली पुस्तिका में विद्यमान प्रविष्टियों को आधार माना है। हालांकि जिन संपत्तियों में कुछ परिवर्तन हुए हैं, उन्हें इससे बाहर रखा गया है। इन परिवर्तनों में संपत्ति के क्षेत्र में परिवर्तन, निर्माण या उपयोग के प्रकार के साथ-साथ नवनिर्मित या पुनर्निर्मित संपत्तियां शामिल हैं। इन अभिलेखों को उल्हासनगर मनपा के कर विभाग द्वारा निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराया गया है। उल्हासनगर मनपा ने मकान मालिकों, उनके प्रतिनिधियों या रहने वालों से अपील की है कि वे समय पर मनपा कार्यालय में आकर अपनी-अपनी संपत्तियों के अभिलेखों की जांच कराएं। जिन लोगों को अपनी संपत्तियों के संबंध में कोई आपत्ति या आपत्ति नहीं है, वे सीधे उल्हासनगर मनपा की वेबसाइट पर जाकर कर बिल प्राप्त कर सकते हैं और घर बैठे ऑनलाइन कर का भुगतान कर सकते हैं। नागरिकों को इसे गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि संपत्ति कर से संबंधित अभिलेखों को सत्यापित करने और आवश्यक आपत्तियां दर्ज करने का यह अंतिम अवसर है। उल्हासनगर महानगरपालिका ने अपील की है कि यदि समय पर पंजीयन नहीं कराया गया तो भविष्य में कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

समय रहते अपनी संपति के अभिलेखों की जांच कर लेनी चाहिए: मनीषा आव्हाले

मनपा की प्रशासक एवं आयुक्त मनीषा अव्हाले ने नागरिकों से अपील की है कि 'शहर के प्रत्येक नागरिक को समय रहते अपनी संपति के अभिलेखों की जांच कर लेनी चाहिए तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित आपति आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए। भविष्य में किसी भी समस्या से बचने के लिए समय रहते कार्रवाई करना आवश्यक है।

आपत्ति दर्ज करने के मुद्दे

यदि किसी संपति के अभिलेखों के संबंध में निम्नलिखित पहलुओं में त्रुटि पाई जाती है, तो नागरिकों को लिखित रूप में आपत्ति दर्ज करने की अनुमति है:

- यदि भूमि या भवन का मूल्य गलत तरीके से निर्धारित किया गया है।
- यदि कर निर्धारण में गलती है।
- यदि मकान नंबर या पता गलत या अपर्याप्त रूप से दर्ज किया गया है।
- यदि जिम्मेदार व्यक्ति का नाम गलत या अधूरा है।
- यदि जिम्मेदार व्यक्ति का नाम छोड़ना आवश्यक है।
- यदि किराए में वृद्धि या कमी से संबंधित कोई मामला है।
- यदि भवन का कोई भाग ध्वस्त हो गया हो या भवन अस्तित्व में न हो

आपत्ति प्रस्तुत करने की प्रक्रिया

- आपत्ति आवेदन नागरिक सुविधा केंद्र (मुख्यालय), उल्हासनगर मनपा, उल्हासनगर-3 में प्रस्तुत करना होगा।
- आवेदन में संबंधित संपति की संपति संख्या का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।
- प्रत्येक संपति के लिए अलग से आपति आवेदन अनिवार्य है।
- आवेदन पर आवेदक के हस्ताक्षर अनिवार्य हैं।
- आवेदन की स्वीकृति की औपचारिक पावती प्राप्तकीजानीचाहिए।

उल्हासनगर(नि.स)। शिवसेना के विभाग प्रमुख व भवन निर्माता सुनील सिंह (कलवा) व किरण सुनील सिंह के सुपुत्र प्रथम व तुषार की उपनयन संस्कार (जनेऊ) विधि बुधवार 30 अप्रैल को संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर सिंह परिवार को शुभकामनाएं देने व दोनों बालकों को आशीर्वाद देने पूर्व नगरसेवक महेश सुखरामानी, राम पारवानी (चार्ली), दैनिक धनुषधारी के संपादक टीकम लालवानी, सानिया हिंदुजा, राजेश हिंदुजा, कृष्णा लालवानी, सोनू, सुशील सहित गणमान्य उपस्थित रहे।

संपादकीय

नौकरी की चिंता

पश्चिम बंगाल में करीब पच्चीस हजार शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक नियुक्तियों पर सर्वोच्च न्यायालय ने जैसी संवेदना के साथ विचार किया है, उसकी सराहना होनी चाहिए। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने इन नियुक्तियों को निरस्त कर दिया था। अब अगर नियुक्तियों को अगले आदेश तक के लिए फिर बहाल कर दिया गया है, तो इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि अदालत को बच्चों की पढ़ाई की चिंता है। खास तौर पर नौवीं-दसवीं और ग्यारहवीं-बारहवीं के छात्रों को पढ़ाने वाले शिक्षकों का बहुत टोटा हो जाता, क्योंकि निरस्त नियुक्तियों वाले शिक्षकों में इन कक्षाओं में पढ़ाने वाले ज्यादा हैं। अतः ताजा फैसला बिल्कुल सही है। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद अपनी नौकरी गंवाने वाले बेदाग सहायक शिक्षक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। ध्यान रहे, अदालत को नियुक्तियों में हुए घोटाले को लेकर तनिक भी शक नहीं है, घोटाला तो हुआ है और नई नियुक्तियां भी जरूर होंगी। अभी अदालत ने यही कहा है कि यह फैसला छात्रों के हित में लिया गया है। बेशक, अगर छात्रों के हित का ध्यान नहीं रखा जाता, तो पश्चिम बंगाल में लाखों छात्र-छात्राओं को पढ़ाई का नुकसान होता। यह फैसला छात्रों को भी सुकून पहुंचाएगा और योग्य शिक्षक भी कुछ समय तक अपनी नौकरी को लेकर आश्वस्त रहेंगे। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना व न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने मानवीयता के आधार पर छात्रों और शिक्षकों की प्रार्थना को स्वीकार किया है। अदालत के आदेश पर पश्चिम बंगाल सरकार को 31 मई तक नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करनी है और 31 दिसंबर तक प्रक्रिया को पूरा कर लेना है। वाकई, जो योग्य शिक्षक हैं, जो विगत आठ वर्ष से पढ़ा रहे हैं, उन्हें नौकरी से निकालना अमानवीय ही कहा जाएगा, लेकिन यह पश्चिम बंगाल सरकार की विफलता है कि वह योग्य और अयोग्य शिक्षकों के बीच अंतर करने में नाकाम रही। जो अयोग्य शिक्षक थे, उनके चलते योग्य शिक्षकों की भी नौकरी खतरे में है। अक्सर ऐसा होता है कि चंद अयोग्य लोग पूरी व्यवस्था पर दाग लगा देते हैं। अभी इस भर्ती घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है और जैसी सूचनाएं सामने आ रही हैं, उनसे कतई आश्चर्य नहीं होता। भर्ती में लगभग हर स्तर पर ईमानदारी का मखौल उड़ाया गया है। योग्य छात्रों को नियुक्त नहीं किया गया, जबकि अयोग्य छात्रों को सेवा का मौका मिल गया। योग्य शिक्षकों की यह शिकायत बिल्कुल जायज है कि उनकी दुर्दशा का कारण स्कूल सेवा आयोग की अक्षमता है। इस मामले में दोषियों को अवश्य दंड मिलना चाहिए। ऐसा न हो कि निर्दोष की नौकरी चली जाए और दोषियों की नौकरी आराम से चलती रहे। नियुक्तियों में किसी भी प्रकार की बेईमानी वास्तव में युवाओं के मनोबल को तोड़कर उन्हें भ्रष्ट आचरण की ओर धकेलती है। आज शायद ही कोई ऐसा राज्य है, जहां नियुक्तियों को लेकर विवाद न हो और भर्तियों की शिकायत अदालत तक न पहुंचती हो। भर्तियों में भ्रष्टाचार हमेशा से रहा है और भ्रष्ट अधिकारियों व नेताओं पर नकेल कसने में व्यवस्था एक हद तक नाकाम रही है। परीक्षाओं के डिजिटल दौर में ऐसी नाकामी को दूर कर पारदर्शिता सुनिश्चित होनी चाहिए। निगाह सीबीआई पर भी है, जो पश्चिम बंगाल के बेशर्म शिक्षक घोटाले की जांच कर रही है। सीबीआई शिक्षा में स्थायी सुधार के मकसद से दूध का दूध और पानी का पानी करे।

वहां अगर दोषियों को कड़ी सजा मिलती है, तो उसका संदेश पूरे देश में जाएगा।

संपादक,टीकम लालवानी

तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल के इस मामले में सरकार तो सीधे तौर पर कुछ नहीं कह रही है, लेकिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यसभा के सभापति भी हैं, ने तो सीधा सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट सुपर संसद की तरह काम न करे। हालांकि, उपराष्ट्रपति के इस तेवर पर भी विधि विशेषज्ञ दो खेमों में बंट गए हैं, एक इस पर आपत्ति जता रहा है तो दूसरा इसे 'साहसिक' बता रहा है। तो क्या अब संविधान के दो मूलभूत अंग न्यायपालिका और कार्यपालिका ही एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए हैं?

कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका- इस टकराव का अंजाम क्या होगा?

(अजय बोकिल)

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल में विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयको को सम्बन्धित राज्यपालों द्वारा अनंत काल तक रोक कर 'पॉकेट वीटो' करने की प्रवृत्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने जो निर्णय दिया है, उससे विधायिका में भारी कसमसाहट है। सत्तापक्ष का मानना है कि यह कार्यपालिका के क्षेत्र में न्यायपालिका का अनावश्यक हस्तक्षेप है।

अदालतें कार्यपालिक प्रमुखों जैसे राष्ट्रपति और राज्यपालों को निर्देशित कैसे कर सकती हैं। दूसरी तरफ न्यायपालिका का मानना है कि यदि कार्यपालिक प्रमुख अपने संवैधानिक दायित्वों की व्याख्या मनमाने और सियासी गुणा भाग के हिसाब से करेंगे तो न्यायपालिका को न्यायदंड अपने हाथ में लेना ही पड़ेगा।

तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल के इस मामले में सरकार तो सीधे तौर पर कुछ नहीं कह रही है, लेकिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यसभा के सभापति भी हैं, ने तो सीधा सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट सुपर संसद की तरह काम न करे।

हालांकि, उपराष्टपति के इस तेवर पर भी विधि विशेषज्ञ दो खेमों में बंट गए हैं, एक इस पर आपत्ति जता रहा है तो दूसरा इसे 'साहसिक' बता रहा है। तो क्या अब संविधान के दो मूलभूत अंग न्यायपालिका और कार्यपालिका ही एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए हैं? क्या यह स्थिति हमारे लोकतंत्र के लिए सुखकर है?

क्या इस सैद्धांतिक द्वंद्व का कोई सकारात्मक नतीजा निकलेगा या फिर एक दूसरे की मुश्कें कसने की पूर्वपीठिका तैयार की जा रही है? अगर ऐसा है तो यह लोकतंत्र के लिए घातक है। क्योंकि वैचारिक द्वंद्व होना अलग बात है और अधिकारों का अतिक्रमण और मर्यादा का सीमांकन की जिद होना दूसरी बात।

इस द्वंद्व कार्यपालिका, विधायिका से समर्थन चाहेगी, जो हो भी रहा है। क्योंकि स्वतंत्र और प्रभावी न्यायपालिका (जो आज खुद सवालों के घेरे में है) अक्सर कार्यपालिका के कान उमेठती रहती है और कभी कभार विधायिका को भी निर्देशित करती है।

सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल रवि के मामले में स्पष्ट फैसला देते हुए राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी की समय सीमा 3 माह तय कर दी। कोर्ट ने कहा कि यदि इस समयावधि में राज्यपाल विधेयक पर कोई फैसला नहीं लेते हैं तो उन्हें स्वतः कानून माना जाए।

लिहाजा तमिलनाडु में ऐसे 10 विधेयक बिना राज्यपाल के हस्ताक्षर के कानून बन चुके हैं। यह अभूतपूर्व स्थिति है। यही नहीं न्यायपालिका ने राज्यपालों के साथ साथ राष्ट्रपति द्वारा भी किसी विधेयक पर मंजूरी की समयावधि तीन माह तय कर दी।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे.बी.पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ द्वारा दिए गए इन फैसलों को एक वर्ग न्यायपालिका द्वारा अपनी मर्यादा के उल्लंघन के रूप में देख रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग इसे न्यायपालिका की सक्रियता और निर्भीकता का प्रमाण मान रहा है। इस दूसरे वर्ग का मानना है कि अब लोकतंत्र बचने की आस केवल न्यायपालिका से ही है, क्योंकि बाकी दूसरी लोकतांत्रिक संस्थाओं ने सत्तातंत्र की दबंगई के आगे घुटने टेक दिए हैं।

जबकि, सत्तातंत्र जिसमें विधायिका के साथ साथ कार्यपालिका भी शामिल है, इसे अपने अस्तित्व और वैधता पर न्यायपालिका का स्पष्ट अतिक्रमण मान रही है, जोकि पूरी तरह अस्वीकार्य है। सर्वोच्च अदालत से इस फैसले से सरकार विचलित है।

बताया जाता है कि वह जल्द ही इस फैसले पर सुधार याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करेगी। लेकिन यदि कोर्ट ने अपना फैसला कायम रखा तो क्या सरकार उसे खारिज करने क्या सरकार नया कानून संसद से पास कराएगी?

यूं यह कानूनी और संवैधानिक बहस का मुद्दा है कि भारतीय लोकतंत्र के आधारभूत तत्वों की लक्ष्मण रेखाएं कहां तक हैं? कहां उनका अतिक्रमण होता है और कहां वो शीलभंग के दायरे में हैं? अगर ऐसा हो रहा है तो उसे कैसे रोका जाए? खास कर उस दौर में जहां न्यायपालिका भी संदेह के घेरे में हो, विधायिका और कार्यपालिका खुद को सर्वेसर्वा मानने लगे।

भारतीय संविधान मूल रूप से तीन पहियों की गाड़ी पर चलता है। ये हैं, विधायिका, जो देश के लिए कानून बनाती है, न्यायपालिका जो कानून की व्याख्या करती है और उसका पालन करवाने की समीक्षा करती है, और कार्यपालिका जिसका काम कानून पर अमल करवाना है। संविधान में ये तीनो अपने आप में स्वतंत्र लेकिन परस्पर जवाबदेह तथा एक दूसरे को संतुलित करने वाली सत्ताएं हैं।

न्यायपालिका से अपेक्षा नहीं है कि वह विधायिका की जगह ले ले या फिर कार्यपालिका ही किसी कानून की मनमानी व्याख्या करने लगे। कार्यपालिका, जिसके पास वास्तविक सत्ता और अधिकार होते हैं, वह विधायिका और न्यायपालिका दोनो के प्रति जवाबदेह है।

संविधान में राज्यपाल को राज्य का संरक्षक माना गया है। लेकिन हकीकत में ज्यादातर मामलों में राज्यपाल दिल्ली सरकार के एजेंट की तरह ही व्यवहार करते हैं और केन्द्र में सत्तारूढ़ दल के अजेंडे को प्राथमिकता से पूरा करने में पूरी ताकत लगा देते हैं। दिक्कत तब होती है, जब राज्य में विपक्षी पाटी की सरकार होती है। वहां राज्यपालों का व्यवहार राज्य के अभिभावक की तरह कम एक राजनीतिक अभिकर्ता के रूप में ज्यादा दिखाई पड़ता है।

विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को रोकना और रोकने का कारण भी न बताना संवैधानिक खामियों और राजनीतिक स्वार्थों की वजह भले गलत न लगे, लेकिन राज्यपाल की नीयत पर सवालिया निशान जरूर लगाता है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने 'अति सक्रियता' का परिचय देते हुए राज्य और देश के संवैधानिक प्रमुखों की जवाबदेही और समय सीमा तय कर दी। अर्थात यह काम राज्य प्रमुखों के विवेक पर नहीं छोड़ा जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा कि विधानसभा द्वारा पारित बिल के मामले में राज्यपाल अथवा राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो (पॉकेट वीटो) का अधिकार नहीं है। उनके फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और बिल की संवैधानिकता का फैसला न्यायपालिका करेगी।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला नैतिक रूप से विपक्षी पार्टियों की जीत है, जिसको लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और उपराष्टपति जगदीप धनखड़ बिफरे हुए हैं। लिहाजा उन्होंने कुछ बुनियादी संवैधानिक सवाल उठाए हैं, जिनके उत्तर अपेक्षित हैं। उपराष्ट्रपति ने बिलों को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय सीमा तय करने के फैसले पर आपत्ति जताते हुए राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के कार्यक्रम में कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं।

उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24×7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। आज जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं। जबकि सभी को अपनी अपनी सीमा में रहकर काम करना चाहिए। लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार ही सबसे अहम होती है। सभी संस्थाओं को अपनी अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए।

राष्टपति ने न्यायपालिका द्वारा दूसरे के मामलों में दखल देने का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि खुद न्यायपालिका का अपने मामलो में आचरण क्या है? दिल्ली में जस्टिस यशंवत वर्मा के घर नकदी मिलने के बाद भी कोई एफआईआर नहीं हुई। क्यों? जबकि जस्टिस वर्मा के घर से जले हुए नोट बरामद हुए थे। ये किसके थे, कहां से आए, कौन और क्यों लाया, ये तमाम सवाल ऐसे हैं, जिनसे न्यायपालिका के भीतर कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को और खाद-पानी मिलता है। राष्टपति ने कहा कि अगर जस्टिस की जगह यदि कोई सामान्य व्यक्ति होता तो उसके खिलाफ कई जांच एजेंसियां सक्रिय हो जातीं।

जाहिर है कि विधायिका को न्यायपालिका द्वारा उसकी हदें तय करने के फैसले ने विचलित कर दिया है। लेकिन विधायिका की भी कोई जवाबदेही न हो, यह भी उचित नहीं है। इस बात का जवाब अक्सर इस दलील से दिया जाता है कि जनप्रतिनिधियों को हर पांच साल में जनता के बीच जाकर परीक्षा देनी होती है, उसे पास करना होता है।

जबकि, न्यायपालिका को ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि लोग अदालतों की न्यायदान प्रक्रिया और वास्तविक इंसाफ पर नजर नहीं रखते। सच्चा और निष्पक्ष न्याय हो, समय पर हो और न्याय होता हुआ दिखे भी यही न्यायपालिका की लोकतांत्रिक कसौटी है। लेकिन विधायिका और न्यायपालिका किसी गलती या कर्तव्यपालन में खामी के लिए एक दूसरे को न टोकें, यह भी सही नहीं है। क्योंकि दोनो संविधान और उसकी भावना की रक्षा करने की जिम्मेदारी समान रूप से दोनो की है।

उपराष्टपति ने एक अहम सवाल सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश की सर्वोच्च संस्था राष्टपति को निर्देशित करने पर उठाया है। उन्होंने कहा कि अदालत राष्टपति को एक तय समय सीमा में कोई काम करने के लिए कैसे निर्देशित कर सकती है? विधेयकों को राष्टपति द्वारा मंजूरी की प्रक्रिया तय है, लेकिन यह प्रक्रिया कितने समय में पूरी करना अनिवार्य है, ऐसा उल्लेख संविधान में कहीं नहीं है।

यही तर्क केरल के राज्यपाल राजेन्द्र आर्लेकर ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर हैरानी जताते हुए दिया था। मगर यहां सवाल केवल समय सीमा भर का नहीं है, बल्कि मंशा का है। यदि कोई बिल राज्यपाल के अधिकार कम करता हो तो भी राज्यपाल को संवैधानिक प्रक्रिया से ही काम करना होगा। क्योंकि उसे मंत्री परिषद की सलाह से ही काम करना है। अगर राज्यपाल की मंशा ऐसे किसी बिल को लटकाने की है तो राज्य सरकार और विधानसभा क्या करे?

संविधान अपनी संस्थाओं को विवेक से काम करने की आजादी तो देता है, लेकिन मनमर्जी और राजनीतिक दुराग्रह से काम करने की इजाजत नहीं देता। ऐसा नहीं है कि राज्यपालों का व्यवहार आज ही देखने में आ रहा है। पहले भी कुछ राज्यपालो का आचरण दिल्ली के सत्ताधीशों के सियासी हितों साधने से प्रेरित रहा है। इनके आचरण से राज्यपाल संस्था की गरिमा को बट्टा ही लगा। यह लेखक के निजी विचार हैं।

दुबई चॉकलेट हो रही फेमस, बढ़ा रही पिस्ता की भी कीमत

(रितिका कमठान)

पिस्ता ऐतिहासिक रूप से ईरान और उसके आसपास उगाया जाता रहा है। व्यापार के माध्यम से, वे दक्षिणी यूरोप और मध्य पूर्व के अन्य भागों में फैल गए, क्योंकि फसल को गर्म, शुष्क जलवायु की आवश्यकता होती है। आज, संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है, देश की 99 प्रतिशत खेती कैलिफोर्निया में केंद्रित है।

इन दिनों हर तरफ दुबई चॉकलेट जो पिस्ता से भरी हुई होती है सोशल मीडिया से लेकर दुकानों पर काफी वायरल हो रही है। इस चॉकलेट को खरीदने के लिए लोग दिवाने हो रहे है। इस चॉकलेट की कीमत भी लगातार बढ़ती जा रही है क्योंकि भारत में इसकी मांग बढ़ रही है।

लोग इस दुबई चॉकलेट के भारत में दिवाने होते जा रहे है। बता दें कि दुबई चॉकलेट को सबसे पहले वर्ष 2022 में यूएई स्थित फिक्स डेसर्ट चॉकलेटियर द्वारा बेचा गया था। दुबई चॉकलेट मूल रूप से कुनाफा और पिस्ता से भरकर बनाई जाती है। इस चॉकलेट में हल्के हरे रंग की फिलिंग होती है जो इसे अन्य चॉकलेट से काफी अलग बनाती है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण इस चॉकलेट को बनाने में उपयोग होने वाली सामग्री की कीमत भी बढ़ी है। ये चॉकलेट जब से ट्रेंड में आई है तब से अब तक कई नकली उत्पाद भी सामने आए है। पिछले हफ़्ते फ़ाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में व्यापारियों के हवाले से बताया गया कि एक पाउंड पिस्ता गिरी (छिलका निकालने के बाद प्राप्त) की कीमत अब 10.30 डॉलर (या 879 रुपये) प्रति पाउंड है, जबकि एक साल पहले यह 7.65 डॉलर (653 रुपये) थी। हालांकि, सिर्फ़ बढ़ती मांग के कारण ही नट्स की कीमतें नहीं बढ़ी हैं।

दुबई के फिक्स की संस्थापक सारा हमौदा ने 2021 में चॉकलेट बार बनाया था। उन्होंने इस चॉकलेट बार को 'कैन ट गेट कनाफेह ऑफ़ इट' नाम दिया। यह मध्य पूर्वी मिठाई कनाफेह या कुनाफा से प्रेरित था। इसे वर्मीसेली या कटी हुई पेस्ट्री शीट का उपयोग करके बनाया जाता है। इस चॉकलेट की स्टफिंग के अंगर मीठी क्रीम चीज़ भरी जाती है, ऊपर से चीनी की चाशनी और पिस्ता डाला जाता है। फिक्स चॉकलेट में पिस्ता क्रीम और अन्य कुनाफा-प्रेरित स्वाद शामिल हैं, जिसमें बार पर चमकीले पीले, नीले और हरे रंग के डिजाइन पेंट के धब्बों जैसे दिखते हैं।

हमूद और उनके पति येज़ेन एलन, मिस्र में जड़ें जमाए हुए यू.के. में पले-बढ़े और करीब एक दशक पहले यूएई चले गए। हमूदा ने बताया कि यह विचार उन्हें तब आया जब वह गर्भवती थीं और उन्हें एक खास स्वाद की तलब लगी। कई महीनों तक उनके ब्रांड की बिक्री सीमित रही। उन्होंने मारिया वेहेरा सहित सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोगों को नमूने भेजे, जिनके दिसंबर 2023 के टिकटॉक वीडियो में उन्होंने चॉकलेट को आजमाया था, जिसे अब 120 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। हमौदा ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि उन्हें बाद में 30,000 से अधिक ऑर्डर मिले। चॉकलेट बार का विशिष्ट पिस्ता स्वाद, जो मध्य पूर्व के बाहर के व्यंजनों में दुर्लभ है, और कुरकुरे बनावट को इसके अनूठे विक्रय बिंदुओं के रूप में उजागर किया गया है।

2024 में, 'दुबई चॉकलेट' खाद्य और पेय पदार्थ रेसिपी श्रेणी में गूगल पर सबसे ज़्यादा खोजे जाने वाले शब्दों में से एक था।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

वर्ग पहेली 5565

1	2	■	3	4	■	■	■
5		6	■	7	8	9	10
11			■	12			
■	13				■		■
14			■	■	15		16
17		■	18			■	
■	■	19		■	20	21	■
22				■	23		

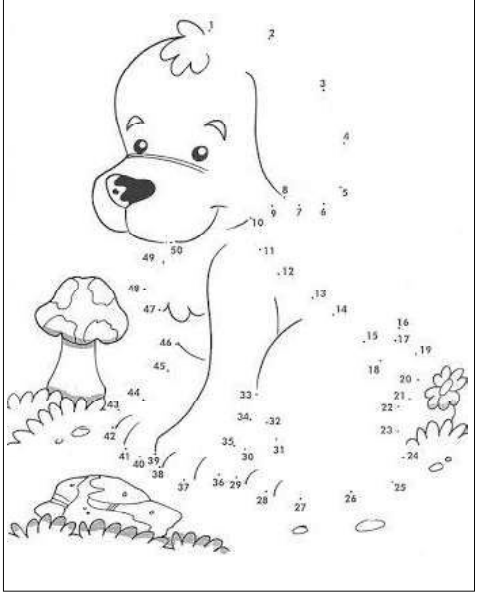

संकेतः बाएं से दाएं

1. 2 जुलाई 2012 को इस देश ने इटली को 4-0 से हराकर यूरो कप फुटबाल 2012 जीत लिया ओर लगातार तीन बड़े खिताब जीतने वाला पहला देश बना (3)
3. एक सूर्यवंशी राजा का नाम जो दशरथ के पिता थे (2)
5. शमन करने वाला (3)
7. तरंगित होना, कंप युक्ति गति होना (4)
11. ऐसा रोग जिसमें शरीर का कोई अंग सुन्न या बेकार हो जाता है (3)
12. फौजी भाइयों के लिए विविध भारती से प्रसारित एक दैनिक कार्यक्रम (4)
13. अस्तबल, घुड़साल (4)
14. लोहा, इस्पात (3)
15. मामला, कोइ गूढ बात (3)
17. पंच तत्वों में से एक, आब, नीर (2)
18. सुख, चैन, आराम, शांति (3)
19. साज, बजाने का यंत्र (2)
20. हस्त, कर, दस्ता, मूठ (2)
22. संतान उत्पन्न करना, जन्म देने का भाव (4)
23. लुप्त हो जाना, रहने की जगह, वास स्थान (3)

ऊपर से नीचे(2)

1. विशेष व्यक्ति अथवा अवसर के लिए निश्चित, खास (3)
2. उपकार मानने वाला, कृतज्ञ (6)
4. भूकंप, भूडोल, पृथ्वी का कांपना (4)
6. परेड़, ड्रिल, नियमावली, कार्य विधि (4)
8. घोड़ा, अश्व (2)
9. वे भाई जो श्रीराम से छोटे हों (4)
10. गंदे पानी बहने के लिए बनाया गया कृत्रिम जल मार्ग (2)
14. सेना को यह भी कहा जाता है (2)
15. स्वत्न हानि, मान-अपमान (4)
16. संख्या, समूह, पुंज (2)
18. नमाज की सूचना के शब्द जो जोर-जोर से पुकारे जाते है (3)
19. वेष, सजधज (3)
21. सूखी धरती (2)

वर्ग पहेली 5564 का हल

घा	ना	■	अ	म	र	ना	थ
त	त	■	मा	ल	वा	■	प
ता	■	भा	व	ना	■	व	क
क	ला	■	स्या	■	सा	र	ना
ना	न	क	■	र	म	क	■
■	त	ह	ल	का	■	न्या	य
आ	■	र	■	बी	ना	■	हू
प	त	वा	र	■	का	लिं	दी

रास्ता खोजो

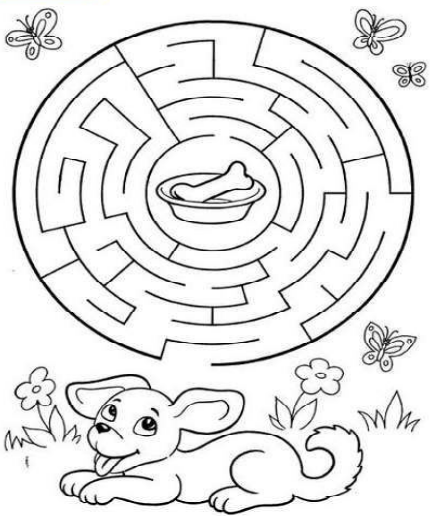

Konark
Reliance AUTHORISED DEALER
Enterprises Pvt. Ltd.
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

गर्मियों में फटाफट बाथरूम की सफाई के लिए अपनाएं ये हैक्स

अगर आपको भी गर्मी के मौसम में साफ-सफाई का काम करने में काफी परेशानी होती है, तो आप यहां बताए गए क्लिनिंग हैक्स को फॉलो कर फटाफट काम निपटा सकती हैं।

गर्मी में अगर कोई घर में साफ-सफाई करने को कह दे, तो मानो आफत ही आ जाती है। खासकर बाथरूम की सफाई में तो बारिकियों से काम करना पड़ता है। अगर आपको भी गर्मी के मौसम में बाथरूम की सफाई करना एक मुश्किल काम लगता है, तो तो अब आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको कुछ ऐसे हैक्स और टिप्स बताएंगे, जिसकी मदद से आप गर्मियों में भी फटाफट काम निपटा सकती हैं।

बाथरूम को साफ करने के लिए सबसे पहले करें प्लान

बाथरूम को साफ करने के लिए आपको चाहिए कि आप सबसे पहले प्लानिंग कर लें कि आपको सबसे पहले किस चीज की सफाई करनी है, क्योंकि बाथरू में बहुत सारी चीजें होती हैं, जिसे साफ करना होता है। ऐसे में अपनी सुविधा अनुसार काम जल्दी निपटाने की टेकनीक अपना सकती हैं।

बाथरुम की सफाई में शॉवर क्लीनर का करें उपयोग

बाथरुम में आप शॉवर क्लीनर का उपयोग करके फर्श और दीवारों को तेजी से और आसानी से साफ कर सकती हैं। आपको बार-बार मग या किसी बर्तन में पानी भरने और उसमें से निकालने की जरूर भी नहीं पड़ेगी।

बाथरूम के शीशे को करें साफ

बाथरूम में सबसे जल्दी साफ होने वाला एक मात्र चीज शीशे ही होते हैं। इसलिए, ऐसी चीजों की सफाई सबसे पहले करें। इसके लिए आप माइक्रोफाइबर कपड़े और सफाई करने वाले स्प्रे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सिंक और बाथटब को इस तरीके से करें क्लीन

सिंक और बाथटब को तेजी से साफ करने के लिए एक हल्के डिटर्जेंट और गर्म पानी का यूज कर सकती हैं। इसमें ज्यादा गंदगी बैठ गई है, तो इसे रगड़ने के लिए स्पंज या ब्रश का उपयोग कर सकती हैं।

बाथरुम के फर्श को फटाफट ऐसे करें साफ

गर्मी में फास्ट और अच्छे से बाथरूम के फर्श को साफ करने के लिए आप डिटर्जेंट और गर्म पानी का उपयोग कर सकती हैं। फर्श को पोछने के लिए मोप का इस्तेमाल कर सकती हैं।

टॉयलेट की सफाई में लें क्लीनर की मदद

बाथरुम की सफाई कर रही हैं, तो जाहिर सी बात है, कि टॉयलेट की सफाई की तो जरूरत पड़ेगी ही। पर गर्मी में झटपट काम निपटाने के लिए टॉयलेट क्लीनर की मदद ले सकती हैं। यह साफ करने का एक प्रभावी तरीका है।

इंश्योरेंस लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

इंश्योरेंस खरीदने से पहले कई प्रकार की बातों का ध्यान का रखना चाहिए जैसे कि आप किस प्रकार का बीमा करवाना चाहते हैं। इसके अलावा क्या इसका चयन आपके लिए बेहतर साबित होगा।

लाइफ को बेहतर बनाने के लिए अक्सर लोग बीमा करवाने का रूख करते हैं ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी होने वाली स्थितिओं से सुरक्षित रह सकें। इसके अलाव उस दौरान उन्हें फाइनेंशियल सपोर्ट मिल सकें। वैसे तो कई प्रकार की बीमा योजनाएं जैसे लाइफ इंश्योरेंस, हेल्थ, ट्रेवल और कार इश्योरेंस शामिल है। इन सभी चीजों का इंश्योरेंस कराना भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होता है। इससे जुड़ी जरूरते हर इंसान के लिए अलग-अलग होती है लेकिन उसे किस कराते समय किन बातों का ध्यान रखना है यह सामान होता है। हालांकि बाजार में तमाम प्रकार के बीमा प्रोडक्ट मौजूद होने के साथ इसके साथ होने वाले कागजी कार्रवाई कभी ताम-झाम भरी होती है। ऐसे में लोग इंश्योरेंस का सही चुनाव नहीं कर पाते हैं।

इंश्योरेंस करवाते समय रखें इन बातों का ध्यान

जैसा कि हमने ऊपर आपको बताया कि बीमा कई प्रकार के होते हैं। हम अपनी जरूरत के हिसाब से इसे कराना पसंद करते हैं। बता दें, कि जिस प्रकार से बीमा कई प्रकार के होते हैं उसी प्रकार से इंश्योरेंस कंपनिया भी कई प्रकार की होती है। ऐसे में सही इंश्योरेंस प्लान का चुनाव करना बहुत जरूरी होता है। अगर आप बीमा खरीदने का प्लान कर रहे है, तो कुछ खास बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है।

कंपनी का करें सही चयन

बीमा करवाते समय यह ध्यान रखें कि आप किस कंपनी से इंश्योरेंस पॉलिसी ले रहे हैं। कंपनी पर रिसर्च करके उसका चुनाव करें। उस कंपनी से बीमा करवाएं, जिसका पुराना रिकॉर्ड अच्छा रहा हो। इसके साथ ही यह भी तय करें कि आप किस प्रकार का इंश्योरेंस करवाना चाहते हैं। उस बीमा पॉलिसी से जुड़ी हर एक प्रकार की जानकारी के बारे में कंपनी से बात करें।

कवर राशि का रखें ध्यान

अक्सर हम भविष्य की सुरक्षा और सेफ्टी के लिए बीमा करवाते हैं। ऐसे में आप इसे खरीदते समय यह ध्यान रखें कि वह प्लान आपकी जरूरतों को पूरा करता है या नहीं। कई बार या तो बहुत कम राशि वाला बीमाकरवाते या फिर बहुत ज्यादा वाला। लेकिन इसे करवाते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि आप कितने का बीमा करवाएंगे तो आपको फायदा होगा। अपने बजट को देखते हुए प्लान को चुनें।

उम्र का रखें खास ख्याल

बीमा करवाते समय यह भी मायने रखता है कि आप किस उम्र से बीमा करवा रहे हैं। वैसे आमतौर पर 80-85 साल तक का बीमा प्लान मौजूद होता है। हालांकि उस वक्त तक बीमा की जरूरत नहीं होती है। ऐसे में आप एक सही उम्र तक के लिए बीमा करवाएं।

इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदते समय इन सवालों के जवाब जरूर लें

- आपको यह तय करना होगा कि आप किस प्रकार की इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदना चाहते हैं, जैसे कि जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, गाड़ी बीमा या किसी अन्य प्रकार की इंश्योरेंस।
- आपको यह भी तय करना होगा कि आपको कितना कवर चाहिए, अर्थात आपको कितनी इंश्योरेंस राशि की आवश्यकता है।
- आपको पॉलिसी की प्रीमियम की जानकारी होनी चाहिए, जिससे आपको पॉलिसी की कीमत और भुगतान की तारीख का पता चल सकें।
- आपकी खास जरूरतों के आधार पर बनाई गई पॉलिसी की जानकारी होनी चाहिए, जैसे कि क्या आपको मेडिकल कवर चाहिए, किस प्रकार की गाड़ी बीमा आवश्यक है, आदि।
- पॉलिसी के रिव्यू प्रोसेस के बारे में जानकारी होनी चाहिए, जैसे कि पॉलिसी को कितने साल के लिए खरीदा गया है और क्या आपको नियमित अंतरालों में प्रीमियम भुगतान करना होगा।
- आपको यह देखना होगा कि आपकी इंश्योरेंस कंपनी विश्वासी है और उसका प्रिडिक्टिव रिटर्निंग क्या है।
- आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि क्लेम प्रक्रिया क्या है और कैसे क्लेम दर्ज किया जाता है।
- आपको यह देखना होगा कि पॉलिसी में छुट्टियों की विशेष शर्तें क्या हैं और कैसे वे कार्य करती हैं।
- आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि आप स्वयं से पॉलिसी को कैसे रद्द कर सकते हैं।

ये सवाल, जो आप किसी भी कंपनी से पूछ सकते हैं -

- क्या पॉलिसी में कोई छूट उपलब्ध है?
- क्या पॉलिसी में कोई अलग से फायदा है?
- क्या पॉलिसी को ऑनलाइन या किसी एजेंट के माध्यम से खरीदा जा सकता है?
- एक ही पॉलिसी के लिए अलग-अलग कंपनियों के बीच प्रीमियम में काफी अंतर हो सकता है, इसलिए अंतर के बारे में जरूर जान लें।
- आपको किस प्रकार का पॉलिसी कवरेज चाहिए? आप कितना भुगतान करने को तैयार हैं? बजट के अनुसार आप इंश्योरेंस खरीद सकते हैं।
- इंश्योरेंस कंपनी से बात करते समय, आपके सभी सवालों के जवाब देने के लिए एजेंट को समय निकालने के लिए कह सकते हैं। यह आपको इंश्योरेंस पॉलिसी को समझने और सही निर्णय लेने में मदद कर सकता है। इंश्योरेंस लेने से पहले कंपनी से ये सवाल पूछने पर नुकसान होने का खतरा कम हो सकता है, इस मामले पर एक्सपर्ट क्या कहते है?

इंश्योरेंस लेने से पहले कंपनी से जरूर पूछें ये सवाल वर्ना होगा नुकसान

इंश्योरेंस एक बेहतर वित्तीय निर्णय हो सकता है। अपने विकल्पों को समझने और सही पॉलिसी चुनने के लिए आप इन तरीकों का पालन कर सकते हैं।

इंश्योरेंस आपको वित्तीय तौर पर सुरक्षित महसूस करने में मदद कर सकता है। अगर आपके साथ कोई दुर्घटना या आपदा होती है, तो इंश्योरेंस कंपनी आपको मुआवजा दे सकती है। इससे आपको अपने खर्चों को कवर करने और आपको फिर से काम शुरू करने में मदद मिल सकती है। क्योंकि, इंश्योरेंस आपको अपने परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकता है। अगर आपके साथ किसी तरह का हादसा हो जाता है, तो आपका जीवन बीमा आपके परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान कर सकता है। इससे उन्हें अपने जीवन को सुगम बनाए रखने में मदद मिल सकती है। कुछ प्रकार के इंश्योरेंस आपको टैक्स में लाभ दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप अपने जीवन बीमा प्रीमियम पर टैक्स के छूट का दावा कर सकते हैं। वहीं कुछ ऐसे प्रकार के इंश्योरेंस में अन्य लाभ भी शामिल हो सकते हैं, जैसे कि चिकित्सा बीमा में शामिल यात्रा चिकित्सा सहायता। इंश्योरेंस एक बेहतर वित्तीय निर्णय हो सकता है। अपने विकल्पों को समझने और सही पॉलिसी चुनने के लिए आप इन तरीकों का पालन कर सकते हैं।

पटियाला सूट के साथ इन इयररिंग्स को करें वियर, लगेंगी खूबसूरत

अगर आप पटियाला सूट पहन रही हैं और इसके साथ स्टाइल करने के लिए इयररिंग्स सर्च कर रही हैं तो ये डिजाइन आपको पसंद आ सकते हैं।

कई लड़कियां होती हैं जिन्हें अलग - अलग तरीके के सूट पहनने पसंद होते हैं। पटियाला सूट लड़कियों को पहनना काफी पसंद होता है। इसमें वो कई तरह के डिजाइन को ट्राई करती हैं। इसमें भी आजकल अलग-अलग तरह के डिजाइन देखने को मिलते हैं। जिन्हें हर कोई अपने तरीके से स्टाइल करता है। लेकिन लुक तब परफेक्ट बनता है आप इयररिंग्स को स्टाइल करती हैं। इसके लिए अलग-अलग डिजाइन वाले इयररिंग्स को ट्राई कर सकती हैं। जिसके डिजाइन ऑप्शन हम आपको बताएंगे ताकि आपका लुक परफेक्ट लगे।

झुमकियां

अगर आपको कुछ सिंपल और सोबर पहनने का मन है तो इसके लिए आप झुमकियां ट्राई कर सकती हैं। इन्हें आप पटियाला सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आप डोम स्टाइल झुमकियां भी ट्राई कर सकती हैं, साथ ही चेन स्टाइल झुमकियां भी आप ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की झुमकियां पहनने के बाद आपका लुक बिल्कुल ट्रेडिशनल लगेगा। इसके कलर और डिजाइन आपको मार्केट और ऑनलाइन मिल जाएंगे।

चांद बालियां

कई सारी महिलाएं होती हैं जो ट्रेडिशनल लुक को काफी पसंद करती हैं। इसलिए वो सूट के साथ भी एंटीक या फिर ट्रेडिशनल ज्वेलरी पहनना पसंद करती हैं। अगर आपको भी पसंद है इस तरह की ज्वेलरी तो इस बार पटियाला सूट के साथ चांद बालियों को ट्राई करें इस तरह के इयररिंग्स डिजाइन काफी खूबसूरत लगते हैं साथ ही स्टाइल करने के बाद आपके लुक में चार चांद लगा देते हैं। इसमें आप गोल्ड, सिल्वर और स्टोन वर्क चांद बाली ट्राई कर सकती हैं।

हूप्स इयररिंग्स

अगर आपको सिंपल हूप्स पहनना पसंद है तो इसके लिए आप झुमकी के साथ हूप्स इयररिंग्स डिजाइन को स्टाइल कर सकतीहैं। इस तरह के इयररिंग्स के डिजाइन आपको ऑनलाइन और मार्केट में आसानी से मिल जाते हैं। इनकी खास बात ये होती है कि अगर आपका पटियाला सूट हैवी है तो इस तरीके के इयररिंग्स को स्टाइल कर सकती हैं ये दिखने में और पहनने में सिंपल होते हैं और अच्छे लगते हैं।

स्टड इयररिंग्स

अगर आपको टॉप्स स्टाइल में इयररिंग्स पहनने पसंद है तो इस तरह के स्टड डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। ये दिखने में सिंपल होते हैं साथ ही पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं। पटियाला सूट के साथ भी आप इन्हें स्टाइल कर सकती हैं। डिजाइन और कलर पैटर्न आपको ऑनलाइन और मार्केट में मिल जाएंगे।

सिर्फ एक को मारेंगे, जो लाख के बराबर होगा

- लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने पाकिस्तान को दी धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने की धमकी दी है। इस गैंग की धमकी से जुड़ा सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है जिसमें गैंग ने लिखा है कि पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की हत्या का जवाब देने के लिए हम पाकिस्तान में घुसकर एक ऐसे आदमी को मारेंगे, जो एक लाख के बराबर होगा। पोस्ट में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का फोटो भी लगा है और उस पर क्रॉस का चिह्न लगाया गया है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। भारत में कई आपराधिक

वारदातों को अंजाम दे चुका लॉरेंस बिश्नोई गिरोह अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने गुनाहों की जिम्मेदारी लेता रहा है। हालांकि उसके इस पोस्ट में कितनी सच्चाई है और क्या इसे गैंग ने ही पोस्ट किया है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। अक्सर लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर पाकिस्तानी गैंगस्टरों और डॉन से रिश्ते रखने के आरोप लगते रहे हैं। कई अपराधों में पुलिस लॉरेंस बिश्नोई के पाकिस्तान से रिश्तों की बात कहते हुए सबूत भी दे चुकी है लेकिन जेल से हुए लॉरेंस बिश्नोई के कथित इंटरव्यू में वह इस बात को नकार चुका है। लॉरेंस बिश्नोई ने खुद को देशभक्त कहते हुए बार-बार दावा किया था कि देश के दुश्मनों से उसके कोई रिश्ते नहीं है। इसके विपरीत पिछले साल लॉरेंस बिश्नोई का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी को ईद की बधाई दे रहा था। यही नहीं, गैंग के शूटरों को हथियारों की सप्लाई भी पाकिस्तान से होने के जरिए होती है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में पाकिस्तान से आए एके-47 राइफल के अलावा पॉइंट 30 बोर और नौ एमएम पिस्टल का इस्तेमाल हुआ था। लॉरेंस बिश्नोई फिलहाल जेल में बंद है, तब भी वो अपने गिरोह को चला रहा है। ऐसे में अगर हाफिज सईद को मारने की इस वायरल पोस्ट को अगर सच मान भी लिया जाए तो क्या लॉरेंस बिश्नोई भारत को आतंक के बरसों से गहरे जख्म दे रहे मोस्ट वांटेड हाफिज सईद को मार सकता है? काइम के ग्लोबल ऑपरेशन के साथ कई देशों में फैला बिश्नोई गैंग कोई छोटा-मोटा सिंडिकेट नहीं है। उसका नेटवर्क बहुत बड़ा है।

हनुमानगढ़ी में टूटी 121 साल पुरानी परंपरा

- रामलला के दर्शन को राम मंदिर पहुंचे महंत

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए बुधवार को हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास ने 121 साल पुरानी परंपरा को संतों की सहमति मिलने के बाद तोड़ दिया। इसके साथ ही हनुमान गढ़ी का कोई गद्दीनशीन महंत 1904 के बाद पहली बार 52 बीघे की परिधि से बाहर निकला है। महंत प्रेमदास ने न सिर्फ रामलला का दर्शन किया बल्कि राम मंदिर की अंतरगृही परिक्रमा का भी शुभारम्भ किया है। राम मंदिर के निर्माण के बाद पहली बार चीवीआईपी के लिए परिक्रमा खोली गई है। गद्दीनशीन महंत सहित अन्य संतों-महंतों ने भगवान के साथ रामरक्षा स्तोत्र का पाठ किया। रामलला को 56 भोग भी

लगाया गया। इससे पहले हनुमानगढ़ी अखाड़े के निशान के साथ गद्दीनशीन महंत प्रेम दास की नगर में शोभायात्रा निकाली गई। इसका जगह-जगह स्वागत हुआ। हनुमानगढ़ी की नियमावली के अनुसार गद्दीनशीन पद पर प्रतिष्ठित महंत आजीवन परिसर के 52 बीघे की परिधि के बाहर नहीं निकल सकते हैं। इसी नियम के कारण महंत प्रेम दास राम मंदिर के निर्माण के बाद भी रामलला के दर्शन नहीं कर सके और दर्शन पाने के लिए लालायित थे। पिछले दिनों महंत की इच्छा को लेकर निर्वाणी अखाड़ा के पंचों ने बैठक की और सर्वसम्मति से दर्शन की अनुमति दे दी। तय हुआ को अक्षय तृतीया के पावन मौके पर महंत रामलला के दर्शन करेंगे।

पाकिस्तान से तनाव के बीच मोदी का रूस दौरा स्थगित

- राष्ट्रपति पुतिन के संग विक्ट्री डे परेड में होना था शामिल

मॉस्को (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी का रूस दौरा स्थगित हो गया है। वह रूस में विक्ट्री डे परेड में भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शामिल होने वाले थे, लेकिन अब उनके कार्यक्रम को स्थगित किया गया है।

माना जा रहा है कि पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तान से उपजे तनाव के चलते दौरे को रद्द करने का फैसला हुआ है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी 9 मई को मॉस्को में होने वाली विक्ट्री डे परेड में शामिल होने वाले थे। इसे लेकर दोनों देशों में उत्साह था, लेकिन कुछ दिन पहले ही इसे स्थगित करने की जानकारी आई है।

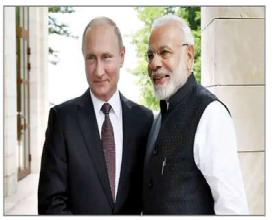

'धर्मांतरण' पर सुनवाई की तय हो गई तारीख

- रिटायरमेंट के दिन से सुनवाई शुरू करेंगे सीजेआई जस्टिस खन्ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने आज (बुधवार, 30 अप्रैल को) भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने देश भर में धर्म-परिवर्तन विरोधी कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने की मांग की। इस पर सीजेआई खन्ना ने कहा कि निश्चित तौर पर इस पर सुनवाई करेंगे लेकिन उन्होंने इसके लिए एक ऐसी तारीख दे दी, जो चर्चा का विषय बन गई है।

दरअसल, जिस पीठ के सामने इस याचिका पर सुनवाई की मांग की गई, वह सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की पीठ थी। पीठ ने मामले की संक्षिप्त सुनवाई के दौरान कहा कि इस मामले पर विस्तार से सुनवाई की जरूरत है। इसी दौरान सीजेआई खन्ना ने कहा, हमें इस पर विस्तार से सुनवाई करने की जरूरत है। इसे 13 मई, 2025 से शुरू होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध किया जाए।- बता दें कि जस्टिस खन्ना 13 मई को ही रिटायर हो रहे हैं। यानी वह तारीख उनके कार्यकाल का आखिरी दिन होगा। 14 मई को जस्टिस बीआर गवई देश के नए मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे।

हर दिन 10 हजार हिंदुओं का धर्मांतरण हो रहा

बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब सीजेआई सुनवाई की तारीख तय कर रहे थे, तभी अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा, माई लॉर्ड! धर्मांतरण एक युद्ध छेड़ने जैसा है, हर दिन 10 हजार हिंदुओं का धर्मांतरण हो रहा है। दरअसल, उपाध्याय ने अवैध धर्मांतरण के खिलाफ जनहित याचिका (PIL) दायर की है और इस पर त्वरित सुनवाई की मांग कर रहे थे। उन्होंने चुनौती दिए जा रहे धर्मांतरण विरोधी कानूनों का बचाव करते हुए आरोप लगाया कि हर दिन हजारों हिंदुओं का अवैध रूप से दूसरे धर्मों में धर्मांतरण किया जा रहा है।

दूसरे पक्ष को सुने बिना सुनवाई नहीं- हालांकि, कोर्ट आज अन्य याचिकाकर्ताओं की सुनवाई किए बिना उनकी दलीलें सुनने को तैयार नहीं हुआ। पीठ ने कहा, आप बहस क्यों कर रहे हैं। क्या हमने दूसरे पक्ष को सुना है। हमें पहले उन्हें सुनना होगा। इन कानूनों का उद्देश्य जबरन या गैरकानूनी तरीके से होने वाले धर्म परिवर्तन से निपटना है लेकिन आलोचकों का आरोप है कि इन कानूनों का दुरुपयोग एक खास धार्मिक समुदाय को टारगेट करने के लिए किया जा रहा है और ये लोगों की अपना धर्म चुनने की आजादी को प्रभावित करते हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के सामने कई याचिकाएं दायर कर विभिन्न धर्म-परिवर्तन विरोधी कानूनों को चुनौती दी गई है। इनमें हिमाचल प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2019, मध्य प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अध्यादेश, 2020, उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अध्यादेश, 2020 और उत्तराखंड का भी इसी तरह का एक कानून शामिल हैं। 2021 में, न्यायालय ने जगीयत उलमा-ए-हिंद को भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की अनुमति दी थी, क्योंकि उसने आरोप लगाया था कि इस तरह के धर्मांतरण विरोधी कानूनों को लागू करके देश भर में बड़ी संख्या में मुसलमानों को परेशान किया जा रहा है।

सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कनेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, दिल्ली के पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ करप्शन का मामला दर्ज किया गया है। करप्शन का यह मामला क्लासरूम और स्कूल बिल्डिंग के निर्माण से जुड़ा है। एंटी करप्शन ब्रांच (ACB) की जांच में पता चला है कि AAP के कार्यकाल के दौरान 12,748 क्लास/बिल्डिंग के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपए का भारी घोटाला हुआ था। क्लासरूम/बिल्डिंग के निर्माण की लागत बढ़ाकर दर्शाई गई थी। इसके अलावा निर्धारित अवधि के भीतर एक भी काम पूरा नहीं हुआ था। निर्माण कार्य के लिए कंसलटेंट और आर्किटेक्ट की नियुक्ति भी मनमाने ढंग से की गई थी।

वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे आईपीएल 2025 के बाद जाएंगे इंग्लैंड दौरे

- टेस्ट और वनडे सीरीज में खेलने का मिलेगा मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी और 17 साल के आयुष महात्रे ने अब तक काफी प्रभावित किया है। वैभव राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं जबकि वैभव चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। ये दोनों खिलाड़ी अभी वयस्क नहीं हैं, लेकिन उन्होंने साबित कर दिया है कि प्रतिभा को मौका मिले तब क्या कुछ हो सकता है। दोनों को भारतीय क्रिकेट के भविष्य के रूप में देखा जा रहा है।

इंग्लैंड दौरे पर जाएंगे वैभव-आयुष

वैभव ने तो गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में 35 गेंदों पर शतक लगाकर दुनिया की सबसे बेहतरीन टी20 लीग के मंच पर तूफान मचा दिया तो वहीं आयुष ने भी पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की है। आयुष को सीएसके टीम में चोटिल नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की जगह टीम में जगह दी गई थी। आईपीएल 2025 में इन दोनों खिलाड़ियों का एक्शन क्रिकेट फैंस देख रहे हैं, लेकिन इसके बाद ये दोनों इंग्लैंड दौरे पर भारतीय अंडर-19 टीम के लिए खेलेंगे। भारतीय अंडर-19 टीम जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जबकि सीनियर टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वहां जाएगी।

इंग्लैंड में खेली जाएगी टेस्ट और वनडे सीरीज

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय जूनियर टीम इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगी और टीम जून के अंत में इंग्लैंड पहुंचेगी। सीनियर और अंडर-19 पुरुष टीमों के साथ-साथ भारतीय महिला क्रिकेट टीम और मिश्रित दिव्यांग टीम भी उस समय इंग्लैंड में होगी। भारतीय अंडर-19 टीम पिछले साल अंडर-19 एशिया कप के बाद पहला बार विदेशी दौरे पर जाएगी। अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारत को हार मिली थी। वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे दोनों ही अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा थे और पारी की शुरुआत करते थे। आयुष ने उस टूर्नामेंट के जरिए भारतीय अंडर-19 टीम के लिए डेब्यू किया था, हालांकि उन्होंने अब तक लाल गेंद के प्रारूप में नहीं खेला है।

वहीं वैभव ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में डेब्यू किया था और जूनियर नेशनल टीम के लिए दो टेस्ट और तीन वनडे खेले है। इंग्लैंड के दौरे से भारतीय अंडर-19 टीम को 2026 अंडर-19 विश्व कप की तैयारी करने का मौका मिलेगा जो अगले साल की शुरुआत में जिम्बाब्वे और नामीबिया में

इटालियन ओपनःलगातार तीन मैच हारने के बाद

जोकोविच ने इटालियन ओपन से नाम लिया वापस

रोम, एजेंसी। जोकोविच का इस सत्र में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्हें पिछले तीन टूर्नामेंट मियामी ओपन, मोंटे कार्लो मास्टर्स और मैड्रिड ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने लगातार तीन मैच हारने के बाद बड़ा फैसला लिया है। अपने 100वें खिताब की तलाश में जुटे जोकोविच ने इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है।

जोकोविच का यह फैसला वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन की तैयारी को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है जहां वह रिकॉर्ड 25वीं ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेंगे। रोम में अगले महीने क्ले कोर्ट पर यह टूर्नामेंट खेला जाना है। इटालियन ओपन टूर्नामेंट के आयोजकों ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी कि जोकोविच इस साल प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने लिखा, अगले साल मिलते हैं, नोल। मालूम हो कि जोकोविच को नोल नाम से भी बुलाया जाता है।

इस सीजन संघर्ष कर रहे हैं जोकोविच

सर्बिया का 37 वर्षीय यह स्टार टेनिस खिलाड़ी इस सीजन संघर्ष कर रहा है। जोकोविच का इस सत्र में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्हें पिछले तीन टूर्नामेंट मियामी ओपन, मोंटे कार्लो मास्टर्स और मैड्रिड ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। इस सीजन उनके जीत-हार का रिकॉर्ड 12-6 है। स्पेन में माटेओ आर्नाल्डी से हारने के बाद जोकोविच ने कहा था, यह 20 से ज्यादा वर्षों के पेशेवर टेनिस के अनुभव से बिलकुल अलग है। कोर्ट पर इस तरह की संवेदनाओं का सामना करना मेरे लिए मानसिक रूप से एक चुनौती है, अब नियमित रूप से टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो रहा हूं।

फ्रेंच ओपन पर नजरें

जोकोविच लंबे समय तक एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहे हैं, लेकिन वह फिलहाल पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में कार्लोस अल्कारेज को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। जोकोविच लगातार यह कहते आए हैं कि वह बड़े टूर्नामेंटों में जीत दर्ज करना चाहते हैं और अगला बड़ा टूर्नामेंट पेरिस में 25 मई से शुरू होगा। जोकोविच घुटने में चोट के कारण पिछले साल रोलां गैरों में हिस्सा नहीं ले सके थे क्योंकि उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी।

आईपीएल पर सट्टेबाजी का साया 8.5 लाख करोड़ दांव पर, टूट रहे परिवार

नई दिल्ली, एजेंसी। जैसे-जैसे आईपीएल का जुनून देश को अपनी चपेट में ले रहा है, मैदान के बाहर एक खतरनाक ट्रेंड उभर रहा है। भारत में सट्टेबाजी ने इस साल 8.5 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को छू लिया है। टूटी जिंदगियां, बिखरे परिवार और आर्थिक बर्बादी जैसे घटनाक्रम स्टेडियम की तालियों और फैंटेसी

लीग के शोर के पीछे दब रहे हैं। हाल की खबरें दिल दहलाने वाली हैं। कर्नाटक में एक व्यक्ति ने सट्टेबाजी में 1 करोड़ रुपये गंवाए, जिसके बाद उनकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। मैसूर में कई परिवार इस जाल में फंसकर तबाह हो चुके हैं। खेल के प्रति जुनून और सट्टेबाजी का नशा अब महज अटकलें नहीं, बल्कि एक बढ़ती महामारी बन चुका है। इसके खिलाफ जागरूकता की एक नई लहर उठ रही है। एंजल वन की पहल फाइनवन.क्लब पर 24,000 से अधिक लोग क्विट बैटिंग का संकल्प ले चुके हैं, जो खासतौर पर जेन जैड को वित्तीय समझदारी की राह दिखा रहा है। यह अभियान सिर्फ एक कैंपेन नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की लड़ाई में एक समुदाय का निर्माण है। सट्टेबाजी को भले ही आकर्षक दिखाया जाए, लेकिन इसके परिणाम बहुत बुरे होते हैं।

नीलम धारण करने से पहले कुंडली का विचार करना जरूरी

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार नीलम रत्न व्यक्ति को रंक से राजा बना सकता है। यह रत्न शनिदेव को समर्पित होता है। इस रत्न को हर कोई धारण नहीं कर सकता है। जहां ये रत्न रंक से राजा बना देता है वहीं अशुभ होने पर ये रत्न राजा को भी रंक बना सकता है। ज्योतिष गणनाओं के अनुसार नीलम रत्न को धारण करने से पहले कुंडली का विचार करना जरूरी होता है।.

नीलम रत्न के फायदे

- जिन लोगों के लिए नीलम शुभ होता है उन्हें इसका तुरंत फायदा दिखने लगता है।
- स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।
- धन- लाभ होने लगता है।
- नौकरी और व्यापार में तरक्की होने लगती है।
- शनि की वक्री चाल से इन राशियों को हो रहा है फायदा, जानें क्या आप भी हैं इस लिस्ट में शामिल

नीलम रत्न के अशुभ होने पर इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है

- नीलम हर किसी को शुभ फल नहीं देता है। जिन लोगों के लिए ये शुभ नहीं है, उन्हें स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।
- धन- हानि हो सकती है।
- कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

ऐसे करें पहचान नीलम आपके लिए शुभ है या नहीं

नीलम रत्न को धारण करने से पहले उसको तकीया के नीचे रखकर सोएं। अगर आपको रात में कोई भी बुरा स्वप्न नहीं आता है और अच्छी गहरी नींद आती है तो इसका मतलब है ये रत्न आपके लिए शुभ है। अगर आपको अच्छी और गहरी नींद नहीं आती है तो इस रत्न को धारण न करें। रत्न धारण करने के बाद अशुभ घटना होने पर इस रत्न को तुरंत उतार दें।

क्या खाली शंख घर या मंदिर में रखना सही है?

हिन्दू धर्म शास्त्रों में शंख को माता लक्ष्मी का बड़ा भाई माना गया है। इसके अलावा, शंख की पूजा का भी विधान मौजूद है। इसी कारण से न सिर्फ घर या घर के मंदिर में लोग शख रखते है बल्कि उसकी पूजा भी करते है। हालांकि शास्त्रों में घर या मंदिर में शंख रखने से जुड़े कई नियम भी बताये गए हैं जिनका पालन आवश्यक माना गया है। ऐसा माना जाता है कि घर या घर के मंदिर में शंख रखने से घर की बरकत बनी रहती है, लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि लोग शख लाकर उसे यूं ही रख देते हैं यानी कि शंख को खाली स्थापित कर देते हैं।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या खाली शंख घर या घर के मंदिर में रखना चाहिए। घर या घर के मंदिर में शंख रखने से सकारात्मकता का संचार होता है, लेकिन अगर घर या मंदिर में खाली शंख रखा है तो इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और शंख की शुभता एवं दिव्य ऊर्जा खत्म हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शंख को हमेशा शुद्ध जल से भरकर रखना चाहिए। इसके अलावा, शंख को पुष्प से भरकर भी रखा जा सकता है। शंख में जल भरकर रखने से घर में बुरी शक्तियां प्रवेश नहीं कर पाती हैं। वहीं, शंख में फूल भरकर रखने से घर में पारिवारिक शांति बनी रहती है और घर में परिवार के सदस्यों के बीच तालमेल बेहतर बनता है एवं मधुरता पनपने लगती है। शंख में फूल भरकर रखने से ग्रह दोष भी दूर होता है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष नये कारोबार में कुछ तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारी वर्ग के साथ आपको सम्बन्ध अच्छे रखने चाहिये। प्रेम सम्बन्धों से गलतफहमी हो सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अपनी कार्यशैली में बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ आज आप मानसिक थकान का अनुभव कर सकते हैं। इसलिये आपको आज आराम करना चाहिये। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। सुख-सुविधाओं में कमी आयेगी। अपच के कारण उल्टी और दस्त की समस्या हो सकती है। भोजन की शुद्धता का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन दिन के शुरुआती भाग में आप ज्यादा व्यस्त हो सकते हैं। कारोबार में आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। परिवार में सुख-शान्ति का वातावरण रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रेम सम्बन्धों को काफी समय देंगे।

कर्क आज का दिन आपके लिये काफी अच्छा रहेगा। विवाह को लेकर परेशानियों का निवारण हो सकता है। जीवनसाथी आपके प्रति काफी सहयोगात्मक रहेगा। व्यापारिक सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा। जल्दबाजी में काम करने के कारण आपको नुकसान हो सकता है। प्रबन्धन सम्बन्धी कार्यों में उत्तम परिणाम मिलेंगे।

सिंह आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। अपेक्षानुसार काम न होने से आप थोड़े क्रोधित हो सकते हैं। दूसरों पर निर्भरता ज्यादा बढ़ाने से काम बिगड़ने की आशंका है। कुछ महत्वपूर्ण कार्यों के लम्बित होने से आप थोड़े परेशान हो सकते हैं। शाम के समय आप अपने किसी रुचि के कार्य से जुड़ सकते हैं। इससे आप कुछ बेहतर महसूस करेंगे।

कन्या नये सम्बन्धों को लेकर परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त समय देना पड़ सकता है। अपने लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा न करें। कारोबार में बदलाव करने से बचें। आपका स्वास्थ्य कुछ कमजोर रहने वाला है। अपने क्रोध पर नियन्त्रण रखें।

तुला विद्वान जनों के साथ आपके सम्पर्क मजबूत होंगे। वैवाहिक जीवन काफी खुशहाल रहेगा। सरकारी अधिकारियों की मदद से जरूरी काम समय हो जायेंगे। मनोरंजन सम्बन्धी गतिविधियों में धन खर्च होगा। विदेश में शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को उत्तम छात्रवृत्ति मिल सकती है।

वृश्चिक कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त ध्यान देना पड़ेगा। घर में अनुशासन का अभाव रहेगा। काम समय पर न होने से अशान्ति होगी। कानूनी विवाद आपके पक्ष में हल हो सकते हैं। सम्पत्ति को लेकर बड़े अनुबन्ध होने के योग बन रहे हैं।

धनु परिजनों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। दूसरों की आलोचनाओं से आपको दुखी नहीं होना चाहिये। आलस्य के कारण आपको नसों में खिंचाव की समस्या हो सकती है। उच्च अधिकारी आपके काम में हस्तक्षेप कर सकते हैं। परिजनों के साथ धार्मिक यात्राओं की योजना बना सकते हैं।

मकर कार्यक्षेत्र में अशान्ति का वातावरण रहेगा। मीडिया से जुड़े लोगों को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। आज आपके पिता के साथ आपका मनमुटाव हो सकता है। शाम को काफी निराश महसूस कर सकते हैं। कुसंगति में फँसने से बचें।

कुंभ परिवार में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। अपने काम करने के तरीके में आपको बदलाव करना पड़ेगा। जॉब में आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। काम की अधिकता के कारण आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

मीन आज आपके करियर की परेशानियों का निवारण हो सकता है। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। परिवार में बुजुर्गों का सहयोग मिलेगा। धन के लेन-देन में चूक परेशानी का कारण बन सकती है। वैवाहिक जीवन थोड़ा कमजोर हो सकता है।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
T.S.Chandwani
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
24 Hours Room service available
Lodging and Boarding
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
+ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
+ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों के लिए सीएम फडणवीस का बड़ा ऐलान

- कैबिनेट बैठक में टोल माफ करने का फैसला
- 'पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिजनों को 50 लाख रुपये की सहायता'

मुंबई(नि.स)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंगलवार को राज्य कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में राज्य सरकार ने कई अहम फैसले लिए हैं। कैबिनेट बैठक में राज्य सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दे दी है। इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत सरकार ने कुछ सड़कों पर कुछ इलेक्ट्रिक वाहनों को टोल माफ करने का फैसला किया है। इस बैठक में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बड़ी सब्सिडी देने का भी फैसला किया गया है। राज्य्य सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति बनाई है। इसमें यात्री इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बड़ी सब्सिडी देने का फैसला किया गया है। कुछ खास सड़कों पर कुछ तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों को टोल माफ किया गया है। कैबिनेट ने इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन और उपयोग को बढ़ाने और उनके लिए चार्जिंग सिस्टम बनाने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दी है। इसके साथ ही सरकार ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए भी बड़ी मदद का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में छह मृतकों के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तथा नौकरी देने का फैसला किया है।

कैबिनेट बैठक के महत्वपूर्ण निर्णय

- टेमघर परियोजना, ता. मुलशी, जिला पुणे के शेष कार्यों और बांध रिसाव रोकथाम कार्य के लिए 488.53 करोड़ रुपये के संशोधित व्यय के लिए प्रशासनिक स्वीकृति।
- मुंबई भिक्षावृत्ति निषेध अधिनियम, 1951 के तहत महाराष्ट्र भिक्षावृत्ति निषेध नियम, 1964 के नियम 27(बी)(3) के प्रावधान में संशोधन। भिक्षागृहों में रहने वाले व्यक्तियों के लिए अब 5 रुपये के बजाय 40 रुपये प्रतिदिन।
- प्रधानमंत्री यशस्वी छात्रवृत्ति, ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी श्रेणी के विद्यार्थियों की अम्बेला योजना के अंतर्गत भारत सरकार प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2021-22 से 2025-26 के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी संशोधित दिशा-निर्देशों को राज्य में लागू करने का निर्णय।
- रेडपसर से यवत राज्य मार्ग पर छह लेन की एलिवेटेड सड़क और मौजूदा सड़क के छह लेन के निर्माण को मंजूरी।
- लोक निर्माण विभाग के तहत महा इनफिट (इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट) की स्थापना को मंजूरी।
- महाराष्ट्र राज्य में जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत सुविधाओं और जहाज पुनर्चक्रण सुविधाओं के विकास पर नीति को मंजूरी।
- महाराष्ट्र इलेक्ट्रिक वाहन नीति, 2025 को मंजूरी।
- ऐप-आधारित वाहनों के लिए व्यापक नीति।
- व्यापक फसल बीमा योजना में संशोधन तथा केंद्र सरकार की अनिवार्य जोखिम आधारित फसल बीमा योजना का क्रियान्वयन तथा कृषि क्षेत्र में पूंजी निवेश बढ़ाने के लिए कृषि अवसंरचना निर्माण पर केन्द्रित योजना का क्रियान्वयन।
- अनुसूचित जनजातियों के लिए जनजातीय विकास विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की तर्ज पर विशेष पिछड़ा वर्ग के गोवारी समुदाय के सदस्यों के विकास के लिए विशेष कार्यक्रम क्रियान्वित करने का निर्णय।
- म. रा.अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम तथा वसंतराव नाइक विमुक्त जाति एवं घुमंतू जनजाति विकास निगम ने व्यक्तिगत ऋण व्याज पुनर्भुगतान योजना की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये करने का निर्णय लिया है।

'पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिजनों को 50 लाख रुपये की सहायता'

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने पहलगाम हमले में मारे गए महाराष्ट्र के लोगों के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। राज्य सरकार इन परिवारों की शिक्षा एवं रोजगार सबंधी जरूरतों पर भी ध्यान केन्द्रित करेगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जगदाले परिवार की बेटी को सरकारी नौकरी दी जाएगी। ज्ञात हो कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में महाराष्ट्र के छह लोग मारे गए। इनमें डोंबिवली के तीन, पुणे के दो और पनवेल का एक व्यक्ति शामिल है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि इन छह लोगों के परिवारों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस की अध्यक्षता में मुंबई में हुई कैबिनेट की बैठक में पहलगाम हमले के पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद राज्य के छह मृतकों के परिवारों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई।

पहलगाम हमले में मारे गए महाराष्ट्र के छह लोग

1) अतुल मोने, डोंबिवली, 2) संजय लेले, डोंबिवली, 3) हेमंत जोशी, डोंबिवली, 4) संतोष जगदाले, पुणे, 5) कौस्तुभ गणबोटे, पुणे तथा 6) दिलीप देसले, पनवेल।

सीएसएमटी से कर्जत के लिए आखिरी लोकल ट्रेन 11.30 बजे रवाना होगी

मुंबई (नि.स)। मई महीने तक मुंबई के सीएसएमटी से कर्जत के लिए आखिरी लोकल ट्रेन 11.30 बजे स्टेशन से रवाना होगी। इसलिए, अब यात्रियों को इस बदले हुए शेड्यूल को ध्यान में रखना होगा। मध्य रेलवे भिवपुरी रोड और कर्जत के बीच मेगा ब्लॉक आयोजित करेगा। इसलिए, बुधवार 30 अप्रैल से रविवार 4 मई तक सिर्फ रात का ब्लॉक रहेगा। आइए जानते हैं कैसा रहेगा ट्रेनों का शेड्यूल-

कल्याण से कर्जत सेक्शन में भिवपुरी रोड-कर्जत के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए मध्य रेलवे पर ब्लॉक लिया जाएगा। बुधवार 30 अप्रैल से रविवार 4 मई तक रात का ब्लॉक रहेगा। देर रात 2 से 3.30 बजे तक ढेढ़ घंटे का ब्लॉक रहेगा और इस दौरान लोकल का शेड्यूल बदला जाएगा। नतीजतन, रविवार तक रात की आखिरी सीएसएमटी-कर्जत लोकल को रद्द करने का फैसला किया गया है। यह लोकल कर्जत की बजाय सिर्फ बदलापुर तक चलेगी। साथ ही मध्य रेलवे ने जानकारी दी है कि देरी से चलने वाली मेल एक्सप्रेस को जरूरत के हिसाब से डायवर्ट किया जाएगा। इस विशेष ब्लॉक के कारण कुछ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों को पनवेल और ठाणे में रोक दिया जाएगा। आठ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों को कर्जत-पनवेल-दिवा के रास्ते डायवर्ट किया गया है। सीएसएमटी से कर्जत के लिए रात 12.12 बजे छूटने वाली लोकल ट्रेन बदलापुर तक ही चलेगी। यह लोकल बदलापुर और कर्जत के बीच रद्द रहेगी। कर्जत से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के लिए सुबह 2.30 बजे छूटने वाली लोकल बदलापुर से चलेगी। यह लोकल कर्जत और बदलापुर के बीच रद्द रहेगी।

हाईकोर्ट के आदेश पर मनपा ने ध्वस्त किए चार पावरलूम कारखाने

पिछले पांच सालों से चल रहा था विवाद

भिवंडी(नि.स)। मनपा प्रशासन द्वारा हाईकोर्ट के आदेश पर खंडूपाडा क्षेत्र में बनाए गए पावरलूम के चार कारखानों को जीसीबी लगाकर ध्वस्त कर दिया गया। इस संबंध में प्रभाग समिति एक के सहायक आयुक्त मकसूम शेख ने बताया कि चारो पावरलूम कारखाने बिना किसी अनुमति के गैरकानूनी तरीके से बनाए गए थे। जिसके लिए हाईकोर्ट ने चारो पावरलूम कारखानों को तोड़ने का आदेश दिया था। जिसके तहत मनपा आयुक्त अनमोल सागर के निर्देश पर पुलिस बंदोबस्त के साथ जेसीबी लगाकर चारो कारखानों को तोड़ दिया गया है।

प्रभाग समिति क्रमांक एक के अंतर्गत मीजे निजामपुरा स्थित खंडूपाड़ा परिसर में मिस्बाउद्दीन अंसारी, सुजाउद्दीन अंसारी,नईमा अंसारी एवं मुकर्रमुद्दीन अंसारी द्वारा घर नंबर 557,558,559 एवं 561 पर अनधिकृत रूप से पावरलूम कारखाना बनाया था। पावरलूम कारखाना बनाने के लिए इन लोगों ने मनपा द्वारा किसी प्रकार की अनुमति नहीं लिया था। जिसके लिए मनपा प्रभाग समिति एक के अधिकारियों द्वारा डीपीएल पूरा किया गया था। गैरकानूनी निर्माण को लेकर मुंबई हाईकोर्ट में सिविल रिट पिटीशन याचिका दाखिल करके पावरलूम कारखानों को हटाने की मांग की गई थी। जिसकी सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने तीन अप्रैल 2025 को लोडबियरिंग स्वरूप के गैरकानूनी तरीके से बनाए गए पावरलूम कारखानों को तोड़ने का आदेश दिया था।

हाईकोर्ट के आदेश पर मनपा आयुक्त अनमोल सागर के निर्देश पर शहर विकास प्रमुख अरविंद घुगरे की उपस्थिति में मनपा प्रभाग समिति एक सहायक आयुक्त मकसूम एम शेख,वीट निरीक्षक नितिन जामनेकर,रवींद्र जाधव,मनपा अतिक्रमण पथक की टीम द्वारा भारी पुलिस बंदोबस्त के साथ चारो पावरलूम कारखानों को 29 अप्रैल 2025 तोड़कर ध्वस्त कर दिया गया।

हम श्रमजीवी संगठन के संस्थापक विवेक पंडित के मार्गदर्शन में पिछले 10 वर्षों से अधिक समय से अपनी उचित भूमि के लिए संघर्ष कर रहे थे। लेकिन प्रशासन ने हर बार अलग-अलग कारण बताया जाता था। पुलिस सहायता के अभाव के कारण कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिससे हम निराश थे। लेकिन अब हम संतुष्ट हैं कि हमें अंततः न्याय मिला है।

राजू गुनगुने - जमीन के मूल मालिक

हम लोगों ने पगड़ी पर 18 हजार रुपए लूम की दर से इस कारखाने को निजाम सेठ से लिया था। पगड़ी का किराया भी देते थे। मैंने स्थानीय विधायक रईस शेख से पावरलूम कारखाना बचाने की मांग किया था। मनपा आयुक्त से बात करके उन्होंने पंचनामा आदि करने का आश्वासन दिया था। लेकिन बिना पंचनामा किए ही उनके कारखाने को तोड़ दिया गया। कारखाने के अंदर से उन्हें सामान आदि भी निकालने का मौका नहीं दिया गया।

- मुगीसुर रहमान अंसारी
पावरलूम मालिक

मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर बने देवेन भारती

मुंबई (नि.स)। 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी तथा मुंबई के पुलिस कमिश्नर और विवेक फणसालकर बुधवार को रिटायर हो गए। नायगांव स्थित सशस्त्र पुलिस बल मुख्यालय में उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस बीच, विवेक फणसालकर के बाद मुंबई का नया पुलिस कमिश्नर कौन होगा? इसपर दो दिन से चर्चाएं शुरू थीं। आखिरकार इन चर्चाओं पर विराम लग गया है और 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी देवेन भारती को मुंबई पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। पिछलाल देवेन भारती मुंबई के विशेष पुलिस कमिश्नर के तौर पर काम कर रहे थे और अब उन्हें मुंबई कमिश्नर के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुंबई पुलिस कमिश्नर का पद राज्यानले से पहले विवेक फणसालकर ताणे से पुलिस कमिश्नर थे। जब राज्य में सत्ता परिवर्तन की हवा चल रही थी और एकनाथ शिंदे राज्य के मुख्यमंत्री बने थे, तब विवेक फणसालकर को मुंबई पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया था। विवेक फणसालकर बुधवार यानी 30 अप्रैल को रिटायर हो गए।

मुंबई पुलिस कमिश्नर पद के लिए आईपीएस अधिकारी सदानंद दाते, संजय कुमार वर्मा, रितेश कुमार, अर्चना त्यागी और देवेन भारती के नाम चर्चा में थे। अब आखिरकार इन नामों में से देवेन भारती के नाम पर मुहर लग गई है। 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी देवेन भारती मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी और विश्वासपात्र माने जाते हैं। वे 2014 से 2019 तक देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान मुंबई में एक प्रभावी पुलिस अधिकारी थे। उस समय वे संयुक्त आयुक्त (कानून और व्यवस्था) थे। फिर उन्हें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के रूप में पदोन्नत किया गया और आतंकवाद निरोधी दस्ते को सौंपा गया।

मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल को सुप्रीम कोर्ट का झटका

विखे पाटिल समेत 53 अन्य पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई(नि.स)। महाराष्ट्र की अहिल्यानगर जिला पुलिस ने किसानों को 8.86 करोड़ रुपये के ऋण वितरित करने में अनियमितताओं के आरोप में भाजपा के वरिष्ठ नेता व राज्य के मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल और 53 अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। खबर है कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दर्ज किया गया है, जो 65 वर्षीय राधाकृष्ण विखे पाटिल द्वारा नियंत्रित एक चीनी कारखाने से संबंधित दो दशक पुराने मामले की सुनवाई कर रहा है। अदालत ने पुलिस को मामला दर्ज करने और राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई किसानों की ऋण माफी योजना के परिणामस्वरूप प्राप्त धन के दुरुपयोग के लिए चीनी कारखाने के प्रबंधन के खिलाफ आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया था। अदालत के निर्देश के अनुसार सोमवार को विखे पाटिल और अन्य के खिलाफ लोणी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। दरअसल विखे पाटिल के प्रबंधन के तहत पद्मश्री विट्ठलराव विखे पाटिल सहकारी शक्कर कारखाने में 8.5 करोड़ रुपये के कथित फर्जी ऋण माफी मामले में मंत्री राधाकृष्ण विखे, चीनी आयुक्त (पुणे), कारखाने के निदेशक मंडल, संबंधित दो बैंकों के अधिकारियों आदि सहित कुल 54 लोगों के खिलाफ लोणी (राहाता) पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

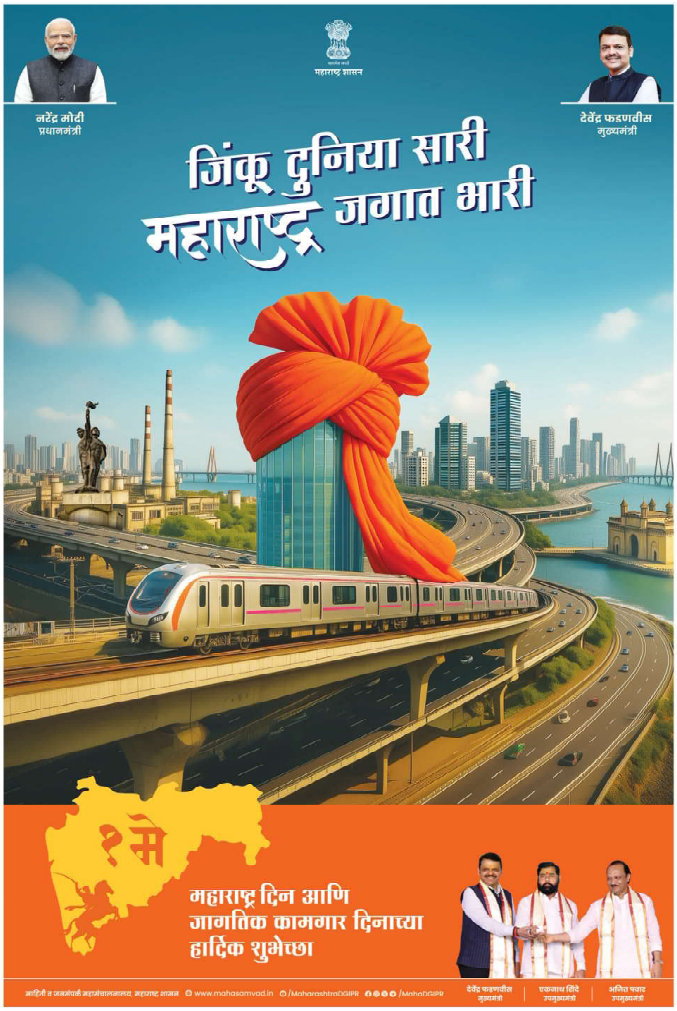

क्र. विमाका/कोवि/महा.दिन/2111, विभागीय माहिती कार्यालय, कोकण विभाग, कोकण भवन, नवी मुंबई-400 614 दिनांक :- 30 एप्रिल, 2025

BH Capital

ONE STOP SOLUTION FOR ALL YOUR BUSINESS FINANCIAL NEEDS

- UNSECURED BUSINESS LOAN
- UNSECURED CORPORATE LOAN
- UNSECURED MACHINERY LOAN
- UNSECURED WORKING CAPITAL - CC / OD FACILITY
- UNSECURED SALES & PURCHASE BILL DISCOUNTING
- LOAN AGAINST PROPERTY

Ajay (MBA-Finance)
9321457879

MUMBAI OFFICE: A-5, 3RD FLOOR, CHADHA APARTMENT PREMISES CO-OP. SOC. LTD., TELI GALLI CROSS LANE. OPP. GINGER HOTEL. ANDHERI (E) - 400 069.

REGISTERED OFFICE: OFFICE NO. 7, B WING, PALI HILL APARTMENT, NEAR SADHU VASWANI STATUE. GOL MAIDAN. ULHASNAGAR - 421 002.

E-mail: info@bhcapital.in | www.bhcapital.in

कुळगांव बदलापूर नगरपरिषद

नवीन प्रशासकीय इमारत, म. गांधी चौक रोड, बदलापूर रेल्वे स्टेशन (पूर्व), कुळगांव, पिन-४२१५०३, ता. अंबरनाथ, जि.ठाणे.
ईमेल:-coud.kulgaonbadalapur@maharashtra.gov.in, वेबसाईट:- kbmc.gov.in.

जा.क्र. कुबनप/नगरोत्थान/सावा/ १४४/ २०२५-२६ दिनांक :- २८/०४/२०२५

जाहिर ई-निविदा सुचना क्र. ८/२०२५-२६

कुळगांव-बदलापूर नगरपरिषदेच्या बांधकाम विभागामार्फत महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान योजने अंतर्गत सन २०२४-२५ करिता प्रशासकीय मंजूर प्राप्त झालेल्या ०२ विकास कामांसाठी महाराष्ट्र शासनाकडील योग्य त्या नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून टक्केवारी दराच्या ई-निविदा मागविण्यात येत आहे. सदर ई-निविदा संच विक्री व स्विकृतीचा कालावधी दि. ३०/०४/२०२५ ते दि. ०८/०५/२०२५ रोजी दुपारी १२.०० वाजेपर्यंत असून दि. ०२/०५/२०२५ रोजी दुपारी १२.०० वा. निविदा पुर्व बैठक नगरपरिषद कार्यालयात आयोजित केलेली आहे. तसेच सदरची ई-निविदा दि. ०९/०५/२०२५ रोजी दुपारी १२.०० वाजल्यानंतर उघडण्यात येतील.

निविदेबाबतचा सविस्तर तपशील नगरपरिषदेच्या http://kbmc.gov.in तसेच शासनाच्या http://mahatenders.gov.in या संकेत स्थळावर व नगरपरिषदेच्या सुचना फलकावर उपलब्ध करण्यात आलेला आहे.

सही/-
(मारुती गायकवाड)
मुख्याधिकारी तथा
प्रशासक
कुळगांव बदलापूर नगरपरिषद